राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 15 जून 2024 वर्ष–7,अंक–142 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

(अयोध्या) राम मंदिर को उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

अयोध्या । आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की ओर से राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दिए जाने के बाद अयोध्या अलर्ट मोड पर आ गई है। राम मंदिर में निगरानी बढ़ा दी गई है। राम मंदिर समेत महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट की भी सुरक्षा में इजाफा किया गया है। एसएसपी राजकरण नय्यर ने शुक्रवार को महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अयोध्या धाम की सुरक्षा पहले से ही कड़ी है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित करते हुए सीनियर राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया है। विभिन्न जोन में सुरक्षाकर्मी पहले से ही तैनात हैं। जिला पुलिस के अलावा पीएसी की भी कई कंपनियां प्राप्त हुई हैं। पीएसी को लगाकर सुरक्षा की जा रही है। महत्वपूर्ण स्थलों की भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी 24 घंटे की जाती है। पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से देखा जाता है, जो भी रियल टाइम इनपुट जनरेट होते हैं, उसको लेकर ग्राउंड पर लगे हुए लोगों को तत्काल कंट्रोल रूम से सूचित किया जाता है। उसी के हिसाब से कार्रवाई की जाती है। वहीं, रामजन्मभूमि परिसर में तैनात अधिकारियों व सुरक्षाकर्मियों को अलर्ट मोड पर कर दिया गया है।

सीबीआई ने सीजीपीएससी भर्ती घोटाला की शुरू की जांच

रायपुर । छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) की भर्ती में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार के आरोपों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपनी जांच शुरू कर दी है। सीबीआई ने आयोग से कुछ दस्तावेज लेकर उन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा है। अधिकारियों ने बताया कि इसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे कार्रवाई होगी। दरअसल, सीबीआई अधिकारी हाल ही में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के दफ्तर पहुंचे थे। वहां से उन्होंने 2020 और 2021 के डिप्टी कलेक्टर-डीएसपी की भर्ती परीक्षा में चयनित विवादित उम्मीदवारों के दस्तावेज तथा अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लेने वाले पैनल सदस्यों की रिपोर्ट ली है। साथ ही, सीबीआई आयोग के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य, पैनल के सदस्य और विवादित कैंडीडेट्स के मोबाइल की जांच भी कराएगी। मोबाइल की जांच के दौरान पांच साल का तकनीकी रिकॉर्ड अफसरों का खंगाला जाएगा। तकनीकी रिकॉर्ड में कॉल डिटेल, गूगल लोकेशन से लेकर वॉट्सऐप चैट तक खंगाले जाने की तैयारी है।

चाचा नीतीश से फिर.....दो-दो हाथ करने को तैयार तेजस्वी

पटना । लोकसभा चुनाव 2024 का रिजल्ट आ चुका है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए ने केंद्र में सरकार बना ली है। मगर बिहार में एक बार फिर से महागठबंधन और एनडीए के बीच टक्कर होने वाली हैं। तेजस्वी के सामने फिर से मौका होगा। ये मौका विधानसभा में नंबर बढ़ाने का है। लेकिन बिहार विधानसभा में जो समर्थन की मौजूदा हालात हैं उससे सरकार पर कोई असर पड़ता नहीं दिखाई दे रहा। हालांकि तेजस्वी के लिए यह चुनाव अहम हो सकता है। तेजस्वी लोकसभा चुनाव के बाद आए नतीजों से उत्साहित हैं। उन्होंने कह दिया है कि अब वह बिहार में सरकार बनने को तैयार है। लोकसभा चुनाव के बाद बिहार की 5 विधानसभा सीटें खाली हुई है। इन सीटों पर 10 जुलाई को उपचुनाव होना है। तेजस्वी के लिहाज से बिहार में वे फिलहाल सरकार को परेशान करने की स्थिति में नहीं हैं। बता दें कि यदि तेजस्वी उपचुनाव की सभी पांचों सीटों पर जीत दर्ज कर लेते हैं, तब भी उन्हें केवल दो सीटों का फायदा होगा। क्योंकि तीन सीट सुदामा प्रसाद, सुरेंद्र यादव और सुधाकर सिंह की महागठबंधन की ही है। जिस पर उपचुनाव होना है। बाकी दो सेट जो मांझी और बीमा भारती की वजह से खाली हुई उस पर जीत होती है,तब भी यह आंकड़ा विधानसभा में 110 ही पहुंच पाता है। इसके बाद 10 जुलाई को होने वाला उपचुनाव तेजस्वी को भले ही बहुत ज्यादा फायदा देने वाला ना हो। लेकिन एनडीए के लिए जरूर मजबूती देने वाला होगा।

भाजपा ने एमपी और उत्तराखंड उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों का किया ऐलान

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में होने वाले आगामी विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की ओर से इन राज्यों में होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर मंजूरी की जानकारी दी। पार्टी ने उम्मीदवारों के नामों की लिस्ट जारी कर दी है। भाजपा ने उत्तराखंड की बद्रीनाथ विधानसभा सीट से राजेंद्र सिंह भंडारी और राज्य की मंगलौर विधानसभा सीट से करतार सिंह भड़ाना को उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी ने अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए कमलेश शाह को चुनावी मैदान में उतारा है।

सेना को मिला पहला स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन

दुश्मन के घर में घुसकर होगी एयर स्ट्राइक

नई दिल्ली ।

भारतीय सेना को स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन नागास्त्र-1 का पहला बैच मिल गया है। इस बैच में 120 ड्रोन्स हैं। ये ड्रोन्स दुश्मन के बंकर, पोस्ट, हथियार डिपो को खत्म कर देगा। आत्मघाती ड्रोन्स को सेना लॉयटरिंग म्यूनिशन कहती है। यानी सामान्य भाषा में कहे तो सुसाइड ड्रोन्स। इसे बनाया है इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव लिमिटेड कंपनी और जेड मोशन ऑटोनॉमस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड ने। दोनों कंपनियां सोलार इंडस्ट्रीज की सब्सडियरी हैं। माना जा रहा है कि सेना को कुल मिलाकर 450 नागास्त्र दिए जाएंगे। इसके परीक्षण चीन सीमा के पास लद्दाख की नुब्रा घाटी में किए गए हैं। यानी भविष्य में सर्जिकल स्ट्राइक के लिए फाइटर जेट्स की जरूरत नहीं है।

इन ड्रोन्स को चुपके से कम आवाज और कम नजर आने वाली तकनीक की मदद से दुश्मन के घर में घुसकर हमला करवाया जा सकता है। इस हथियार के दो वैरिएंट्स हैं। नागास्त्र के दोनों वैरिएंट 60 से 90 मिनट तक उड़ान भर सकते हैं। इसकी ऑपरेशनल रेंज 15 किग्रा है।

1 से 4 किग्रा वजन के हथियार लेकर भरता है उड़ान

परीक्षण के दौरान दुनिया में यह पहली बार हुआ था कि जब 1 से लेकर 4 किमी वॉरहेड के साथ किसी मैन-पोर्टेबल लॉयटर म्यूनिशन का सफल ट्रायल हुआ था। यह ड्रोन 4500 मीटर ऊपर उड़ान भरते हुए सीधे दुश्मन के टैंक, बंकर, बख्तरबंद वाहनों, हथियार डिपो या सैन्य समूहों पर घातक हमला कर सकता है।

60 से 90 मिनट तक की उड़ान क्षमता

नागास्त्र फिक्स्ड विंग्स ड्रोन हैं। जिसके पेट में विस्फोटक रख कर दुश्मन के अड्डे पर हमला बोला जा सकता है। इसके वैरिएंट्स को ट्राईपॉड या हाथों से उड़ा सकते हैं। इसका वजन 6 ्यत्र है। यह एक बार में 60 मिनट उड़ सकता है। ऑपरेशनल रेंज दो हिस्सों में बंटी है। 15 किलोमीटर वीडियो लिंक रेंज है।

हमले के दौरान रीयल टाइम वीडियो बनाता है

45 किग्रा जीपीएस टारगेट रेंज है। इसमें एक किग्रा वजन का वॉरहेड लोड किया जा सकता है। इसके विस्फोट से 20 मीटर का इलाका खत्म हो सकता है। इसमें रीयल टाइम वीडियो बनता है। सर्विलांस और हमला करने में सक्षम। दूसरा वैरिएंट मैन-पोर्टेबल है। इसे दो सैनिक मिलकर ढो सकते हैं। इसमें 4 ्यत्र विस्फोटक लगा सकते हैं।

दिन-रात दोनों में काम करने लायक सुसाइड ड्रोन

दूसरा वैरिएंट टैंक, बख्तरबंद और एंटी-पर्सनल हमले के काम आ सकता है। यह पोर्टेबल न्यूमैटिक लॉन्चर के जरिए उड़ता है। इसके तीन मोड्स आते हैं। इसमें ड्यूल सेंसर लगे हैं, जो दिन-रात में काम करते हैं। इसका वजन 11 ्यत्र है। यह 90 मिनट तक उड़ान भरने में सक्षम है। वीडियो लिंक रेंज 25 किग्रा है।

इजरायल और पोलैंड के हथियारों से सस्ता

जीपीएस टारगेट रेंज 60 किग्रा है। यह हथियार इजरायल और पोलैंड से आयात किए गए हवाई हथियारों से करीब 40 फीसदी सस्ता पड़ेगा। दो साल पहले ही सोलार इंडस्ट्रीज ने जेड मोशन ऑटोनॉमस सिस्टम्स में 45 प्रतिशत का इक्विटी स्टेक लिया है। इससे सोलार कंपनी को मानवरहित एरियल व्हीकल बनाने का मौका मिला।

देश के विकास में BSF की अहम भूमिका, हमें आप पर गर्व है: उपराष्ट्रपति धनखड़

- उपराष्ट्रपति ने जैसलमेर में BSF के सैनिक सम्मेलन को संबोधित किया

नई दिल्ली ।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज जैसलमेर में ब्रस्न के सैनिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए जवानों से कहा कि आपके बीच में आकर एक नई ऊर्जा का अहसास कर रहा हूंऔर ये पल मेरे लिए सदा यादगार रहेगा। धनखड़ ने कहा कि÷मैं सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ का छात्र रहा हूं। कक्षा 5 में वर्दी पहनी थी- वर्दी की ताकत, वर्दी की अहमियत मुझे पता है। वर्दी आपको किस रूप में अचानक परिवर्तित कर देती है यह मैंने बचपन में देखा है। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के जवानों की कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपको देखकर मैं अभिभूत हूं!देश की प्रथम रक्षा पंक्ति- सीमा सुरक्षा बल उत्कृष्ट रूप से कर्तव्य निर्वहन कर रहा है। आपका कार्य अत्यंत प्रशंसनीय और वंदनीय है। देर शाम उपराष्ट्रपति ने जैसलमेर में ब्रस्न की बावलियांवाला सीमा चौकी का दौरा किया था और वहां तैनात जवानों से मुलाकात की थी। इस अवसर पर उन्होंने तनोट विजय स्तंभ पर अमर शहीदों को कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि भी अर्पित की। धनखड़ ने कहा कि ऐसी तपती धूप में कुछ मिनट भी खड़ा रहना मुश्किल है। चारोंतरफ का वातावरणचुनौतीपूर्ण है और सीमा पर आपको एकपलक झपकाने की भी फुर्सत नहीं है। उन्होंने कहा कि हिमालय की ऊंची पहाड़ियाँ, थार का तपता हुआ रेगिस्तान, पूर्वोत्तर के घने जंगल, दल-दल से भरे रण-क्रीक में सीमा सुरक्षा बल के जवानों की जो मुस्तैदी है, वह बेमिसाल है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल के जवान हर पल आप अपने मोटो जीवन पर्यन्त कर्तव्य को चरितार्थ कर रहें हैं। धनखड़ ने कहा कि मैं नमन करता हूं आज उन माताओं को जिन्होंने आप जैसे वीर सुपुत्र और वीरांगनाओं को जन्म दिया है और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत का बदलती हुई तस्वीर कर्तव्य पथ पर **Republic Day** पर हमने देखी जहां हमारी बेटियों ने क्या कुछ नहीं दिखाया!यहां मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई जब उनकी भागीदारी देखी। धनखड़ ने कहा कि मैं उन प्रहरियों को नमन करता हूं जो आज हमारी बीच नहीं हैं, जो मां भारती की रक्षा में अपना जीवन न्योछावर कर अमर हो गये।उन वीरों के परिवारजनों को भी विनयपूर्वक नमस्कार करता हूँ।

पीएम मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली ।

इटली के अपुलिया में जी-7 शिखर सम्मेलन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने द्विपक्षीय बैठक की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद ग्रहण करने पर शुभकामनाओं के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों को धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने होराइजन 2047 रोडमैप और भारत-प्रशांत रोडमैप पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत और फ्रांस के बीच आपसी संबंधों की समीक्षा की।

इस दौरान रक्षा, परमाणु, अंतरिक्ष, शिक्षा, जलवायु कार्रवाई, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और राष्ट्रीय संग्रहालय साझेदारी जैसी सांस्कृतिक पहल और जन-भागीदारी को बढ़ाने में सहयोग पर चर्चा हुई। वे मेक इन इंडिया पर अधिक ध्यान देने के साथ रणनीतिक क्षेत्र में रक्षा-सहयोग को और बढ़ाने पर सहमत हुए। दोनों नेता 2025 में फ्रांस में आयोजित होने वाले आगामी एआई शिखर सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन के संदर्भ में मिलकर काम करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा और खेल के क्षेत्र में सहयोग का विस्तार करने पर भी सहमत हुए। दोनों नेताओं ने प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत और फ्रांस के बीच सुदृढ़ और भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारी स्थिर और समृद्ध वैश्विक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है और इसे और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की।

एनआईआईएमएच पारंपरिक चिकित्सा में मौलिक और साहित्यिक अनुसंधान के लिए पहला डब्ल्यूएचओ सहयोगी केन्द्र बना

नई दिल्ली ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आयुष मंत्रालय की केन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के तहत एक इकाई, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद को पारंपरिक चिकित्सा में मौलिक और साहित्यिक अनुसंधान (सीसी आईएनडी-177) के लिए डब्ले यूएचओ सहयोगी केन्द्र (सीसी) के रूप में नामित किया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता 3 जून, 2024 से शुरू होने वाली चार साल की अवधि के लिए दी है। हैदराबाद में 1956 में स्थापित, एनआईआईएमएच, आयुर्वेद, योग प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा, होम्योपैथी, बायोमेडिसिन और भारत में स्वास्थ्य देखभाल के अन्य संबंधित विषयों में औषधीय-ऐतिहासिक अनुसंधान का दस्तावेजीकरण और प्रदर्शन करने वाला एक अनूठा समर्पित संस्थान है।

सीसीआरएएस के महानिदेशक, प्रो. वैद्य रविनारायण आचार्य के परिश्रमी नेतृत्व में, एनआईआईएमएच और डब्ल्यूएचओ -सीसी के प्रमुख ने निरंतर अवलोकन और समर्पण के माध्यम से यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रो.आचार्य ने कहा, डब्ल्यूएचओ द्वारा यह पदनाम एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो पारंपरिक चिकित्सा और ऐतिहासिक अनुसंधान के क्षेत्र में हमारे अथक प्रयासों को दर्शाता है। संस्थान आयुष की विभिन्न डिजिटल पहलों में अग्रणी रहा है, जिसमें अमर पोर्टल भी शामिल है, जो 16,000 आयुष पांडुलिपियों को सूचीबद्ध करता है, जिसमें 4,249 डिजिटाइज्ड पांडुलिपियां, 1,224 दुर्लभ पुस्तकें, 14,126 कैटलॉग और 4,114 पत्रिकाएँ शामिल हैं। एसएएचआई पोर्टल 793 चिकित्सा-ऐतिहासिक कलाकृतियों को प्रदर्शित करता है, जबकि आयुष परियोजना की ई-पुस्तकें वे लासिकल पाठ्यपुस्तकों के डिजिटल संस्करण प्रदान करती हैं।

सकारात्मक तरीके से करना चाहते हैं18वीं लोकसभा की शुरुआत : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार 3.0 के शपथ ग्रहण के बाद 18वीं लोकसभा सत्र पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम 18वीं लोकसभा की शुरुआत सकारात्मक तरीके से करना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहला सत्र जो कि 18वीं लोकसभा का विशेष सत्र है, तय हो चुका है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 24 जून को सदन शुरू करने के लिए बुलाया है। उन्होंने कहा कि पहले सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाती है।

इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होता है और फिर संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति का अभिभाषण होता है। यह हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है कि चुनाव के बाद हम पहली बार एक साथ आ रहे हैं, मेरी सभी सदस्यों से, सभी राजनीतिक दलों से अपील है कि हम एक साथ मिलकर टीम इंडिया के रूप में काम करें। उन्होंने कहा कि मेरे लिए, संसदीय कार्य मंत्री के रूप में, मुझे सभी राजनीतिक दलों के साथ समन्वय करना होगा, सदन प्रबंधन और राज्यसभा सभापति और लोकसभा अध्यक्ष के मार्गदर्शन और प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के साथ, करना होगा।

उन्होंने कहा कि समन्वित तरीके से बहुत एकजुटता से काम करें। मेरे लिए, विपक्षी दलों और सत्तारूढ़ दल के बीच कोई अंतर नहीं है, हम देश की सेवा के लिए हैं। एनडीए को देश के मामलों को चलाने का जनादेश दिया गया है और विपक्षी गुट को विपक्षी दलों के रूप में काम करने और प्रदर्शन करने का जनादेश दिया गया है। इसलिए हमारी भूमिकाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। देश संसद में बहुत अच्छी बहस और चर्चा के माध्यम से एक जीवंत लोकतंत्र देखना चाहता है। सत्र के पहले तीन दिन में नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेने और लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा।

संसद के दोनों सदनों की अगली बैठक जुलाई के तीसरे सप्ताह में बुलाई जा सकती है जिसमें केंद्रीय बजट पेश होगा। इसके साथ निर्मला सीतारमण लगातार सात केंद्रीय बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री बनेगी। आगामी बजट के साथ वह मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगी। देसाई ने लगातार छह बजट पेश किए थे।

रक्षामंत्री राजनाथ ने आईएनएस जलाश्व पर 'समुद्र में एक दिन' के दौरान विभिन्न परिचालनों को देखा

नई दिल्ली ।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 14 जून को भारतीय नौसेना की परिचालन तैयारियों की समीक्षा करने के लिए आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्थित पूर्वी नौसेना कमान का दौरा किया और 'समुद्र में एक दिन' के लिए आईएनएस जलाश्व की सवारी की। लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद यह राजनाथ सिंह का पहला बाहरी दौरा है। रक्षामंत्री ने 'समुद्र में एक दिन' के दौरान कमान के विभिन्न पोतों, पनडुब्बियों और विमानों के गतिशील परिचालनों को देखा। इन परिचालनों में भारतीय नौसेना की युद्ध क्षमता और तैयारियों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान उनके साथ नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर भी उपस्थित थे।

राजनाथ सिंह ने परिचालन के लिए तैयार रहने व हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में पहले प्रतिक्रियादाता के रूप में उभरने के लिए भारतीय नौसेना की सराहना की।

उन्होंने कहा, ÷हमारी नौसेना यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी राष्ट्र आर्थिक ताकत या सैन्य शक्ति के आधार पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी दूसरे देश का दमन न करे या उसकी सामरिक स्वायत्तता को खतरे में न डाले। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से इस क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें हमारे मित्र देश सुरक्षित रहेंगे और आपसी प्रगति के पथ पर एक साथ आगे बढ़ेंगे।÷ रक्षामंत्री ने देश के विकास और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश का मान बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भारतीय नौसेना की सराहना की। उन्होंने मार्च, 2024 में अरब सागर में नौसेना के साहसिक बचाव अभियान का विशेष रूप से उल्लेख किया। इस अभियान में नौसेना ने 23 पाकिस्तानी नागरिकों को सोमाली के समुद्री डाकुओं से मुक्त कराया था। उन्होंने कहा कि यह अभियान मानवता के साथ-साथ नौसेना कर्मियों में निहित मूल्यों का भी प्रदर्शन है, जो राष्ट्रीयता की चिंता किए बिना सभी की सहायता के लिए आगे आते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भारतीयों की चिंता

यह मर्माहत कर देने वाली खबर है कि कुवैती शहर मंगफ में एक आवासीय इमारत में आग लगने से कम से कम 40 भारतीयों की जान चली गई। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आग उसी इमारत में लगी, जहां दर्जनों कर्मचारी रहा करते थे, उन्हें बचने का मौका तक नहीं मिला। निचली मंजिल पर लगी आग ऊपर फैलती चली गई। अधिकांश हताहत दक्षिण भारतीय राज्य केरल और तमिलनाडु से हैं। करीब 50 भारतीय घायल भी हुए हैं। घायलों में नेपाली कामगार भी शामिल हैं। इसमें तो कोई दोराय नहीं कि ये कर्मचारी या मजदूर बहुत अमानवीय माहौल में रह रहे थे। इमारत में करीब 196 कर्मचारी रह रहे थे। जाहिर है, इमारत में काफी भीड़भाड़ थी और इसी वजह से कर्मचारी आग से घिर गए। कुवैती उप-प्रधानमंत्री शेख फहद यूसुफ अल-सबा ने इमारत के मालिकों पर लालच का आरोप लगाया और कहा कि भवन मानकों के उल्लंघन के चलते यह त्रासदी हुई। वैसे, सिर्फ वजह बताने से काम नहीं चलेगा, हमें यह देखना होगा कि क्या कुवैती सरकार दोषियों के खिलाफ कड़े कदम उठाएगी? ध्यान रहे, तमाम अरब देशों में भारतीय बड़ी संख्या में रहते हैं। छोटे से मुल्क कुवैत की अगर बात करें, तो वहां आबादी का दो-तिहाई हिस्सा विदेशी श्रमिकों से बना है। वहां पर भारतीय श्रमिकों की संख्या अच्छी-खासी है। इतने बड़े हादसे के बाद प्रशासन जागता लग रहा है। प्रशासन सफाई दे रहा है कि ऐसे आवासों में भीड़भाड़ को लेकर अक्सर चेतावनियां जारी की जाती थीं, पर भवन मालिकों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। इस त्रासदी पर मानवाधिकार समूहों ने भी चिंता जताई है। अब चिंता से आगे बढ़कर काम करने की जरूरत है। तमाम अरब देशों में मजदूरों की स्थिति बहुत अमानवीय है। इन सभी देशों में मजदूरों की सुरक्षा चाक-चौबंद करने पर ध्यान देना होगा। भारत सरकार को अपनी ओर से भरपूर दबाव डालना होगा, ताकि अरब देशों में हमारे कामगारों के प्रति संजीदगी बढ़े। देश के लाखों मजदूरों को रोजगार के लिए विदेश जाना पड़ता है, तो विदेश गए मजदूरों के प्रति सरकार की जिम्मेदारी कम नहीं हो जाती है। सबकी नजरें भारत सरकार पर है कि वह आगामी दिनों में अपने लोगों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाती है? अरब देशों ही नहीं, यूक्रेन, रूस जैसे अनेक देशों में भारतीयों की सुरक्षा को ताक पर रखा जा रहा है। मिसाल के लिए, युवा काम की तलाश में रूस जाते हैं और उन्हें रूस में सैनिक बना दिया जाता है। रूसी सेना की ओर से लड़ते हुए भारतीय हमें बहुत चिंता में डाल रहे हैं। सरकार को आपत्ति जताने से आगे जाकर अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। यहां यह जान लेना चाहिए कि विदेश में भारतीयों की मौत चिंता की एक बहुत बड़ी वजह बनती जा रही है। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगे गए एक जवाब के मुताबिक, अकेले साल 2020 में विदेश में कुल 11,439 भारतीयों की मौत हुई। अगर छात्रों की बात करें, तो साल 2018 के बाद से विदेश में 403 भारतीय छात्रों की विभिन्न वजहों से मौत हुई है। इनमें से सर्वाधिक 91 छात्र कनाडा में मारे गए हैं। सोचने वाली बात है, भारतीय छात्रों की मौत के मामले में कनाडा, ब्रिटेन, रूस, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी जैसे देशों का दामन साफ नहीं है। अत- भारत सरकार को तगड़ी मोर्चाबंदी करनी पड़ेगी और विदेश जाने वालों को भी अपनी सुरक्षा के प्रति सजग होना पड़ेगा।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

महान वैज्ञानिक हर्बर्ट साइमन

(लेखक- संजय गोस्वामी)

(15 जून जन्मतिथि पर विशेष)

हर्बर्ट साइमन का जन्म 15 जून 1916 को मिल्वौकी, विस्कोसिन में हुआ था। उन्होंने 1936 में बी.ए. और 1983 में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की तथा उन्हें 1978 में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार दिया गया। उनके डिजाइन मेकिंग प्रोसेस के अनुसंधान पर इसके अतिरिक्त भी कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए। होते हैं । 1978 में, साइमन को विश्व संगठनों के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनके अग्रणी शोध के लिए आर्थिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। साइमन ने कई विद्वानों के साथ मिलकर भी सहयोग किया है जैसे- एलन न्यूवेल, एडवर्ड फेगेनबाम, एंडर्स एरिक्सन, जेम्स मार्च साइमन अपने समय के एक प्रसिद्ध राजनीतिक और सामाजिक वैज्ञानिक थे। साइमन ने अंत में सामाजिक अनुसंधान में विश्वास किया था तथा सामाजिक दबाव का विरोध किया था साइमन के दिमाग में कम उम्र से ही यह बात चल रही थी कि मानव व्यवहार का वैज्ञानिक रूप से कैसे अध्ययन किया जा सकता है

कारणात्मक तर्क जैसे थे। इनका मुख्य लक्ष्य निर्णय दिन में लोगों द्वारा प्रयोग किया गया चिंतन प्रक्रिया की प्रकृति और क्रियाविधि का विश्लेषण करना था । जब उन्होंने 1947 में प्रशासनिक संगठन में निर्णय लेने की प्रक्रिया का प्रशासनिक व्यवहार अध्ययन प्रकाशित किया तो इसमें वे प्रशासन की परंपरागत अवधारणाओं की आलोचना करते हैं। उन्होंने प्रबंधन के पारंपरिक सिद्धांतों की भी आलोचना की और उन्होंने प्रशासन के उन पुराने सिद्धांतों की अवधारणा पर प्रश्न उठाए और कहा कि यह प्रशासन के मुहावरे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि तथाकथित सिद्धांत अक्सर एक-दूसरे के साथ संघर्ष करते रहते हैं तथा वह वैज्ञानिक जांच तक नहीं कर पाते हैं, इसलिए यह जटिल परिस्थितियों में लागू नहीं होता तथा इसलिए इन्हें सिद्धांत नहीं कहा जा सकता है।

साइमन ने वैज्ञानिक व्यवहार के लिए तथ्यात्मक प्रस्ताव की प्रेरित किया और तर्क दिया कि तथ्यों का अनुभवजन्य होना और वैज्ञानिक रूप से विश्वसनीय होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रशासन निर्णय को और अधिक तेजी से बनाने के लिए प्रशासन को एक विज्ञान बनाने पर जोर दिया। साइमन ने कहा कि निर्णय लेना प्रशासन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है और समग्रता का परिणाम उस प्रक्रिया पर निर्भर करता है जिसका उपयोग निर्णय लेने में किया जाता है अर्थात उन्होंने बाउंडेड रेशनैलिटी मॉडल को विकसित किया जो इस विचार की वकालत करता है कि मनुष्य केवल आंशिक रूप से से निकलता है । निर्णय निर्माण प्रक्रिया

साइमन ने निर्णय निर्माण की प्रक्रिया को मुख्य रूप से तीन चरणों में रूपांतरित किया है:-

बुद्धिमत्ता गतिविधि बौद्धिक गतिविधि
डिजाइन गतिविधि प्रारूप गतिविधि
विकल्प गतिविधि विकल्प चयन गतिविधि

1. बौद्धिक गतिविधि

साइमन के अनुसार इस प्रथम चरण में समस्या का पता लगाया जाता है तथा प्रत्याशा की तलाश की जाती है। आवश्यक सूचना, आंकड़े, घटनाएं, को एकत्रित किया जाता है तथा इसमें निर्णय लेने के अवसरों और घटनाओं का पता लगाया जाता है। 2. प्रारूप गतिविधि

इस चरण में समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न प्रकार तथा विभिन्न क्रियाओं का निर्माण किया जाता है, इसमें निर्णय पृष्ठों के मन में मुख्य रूप से आठ प्रकार के विकल्प सामने आते हैं। क्योंकि यह चरण समस्या तथा उसके संभावित प्रकारों के आकलन एवं समाधान के संबंध में विचार करने का है। 3. विकल्प चयन गतिविधि

साइमन के अनुसार इस अंतिम चरण में समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न योग्यताएं और कार्य-दरें उपलब्ध हैं, जिनमें से किसी एक का चयन कर लिया जाता है, जो उस विकल्प को सर्वश्रेष्ठ बनाता है।

यह तीनों चरण सामान्य और एक दूसरे के अनुक्रमगत होते हैं, लेकिन व्यवहार में यह बहुत जटिल होते हैं, क्योंकि इनमें से प्रत्येक चरण का निर्णय लेने की प्रक्रिया में अपनी अलग भूमिका होती है। शास्त्रीय और नव-शास्त्रीय सिद्धांत बनाम सीमित तर्कसंगतताशास्त्रीय और नव शास्त्रीय सिद्धांत के अनुसार निर्णय निर्माण का मुख्य लक्ष्य तर्क होता है अर्थात सबसे पहले समस्या या मुद्दे के जांच के अंतर्गत सभी प्रकार के उससे संबंधित जानकारी और आंकड़ों को एकीकृत किया जाता है

दूसरे चरण में विभिन्न संभावित श्रेणियों को उत्पन्न किया जाता है तथा इन श्रेणियों के परिणामों की जांच की जाती है तथा अंत में इनमें से सबसे अच्छा विकल्प चुना जाता है। बाउंडेड रैशनैलिटी यह निर्णय निर्माता की निकलतीता कि धारणा को चुनौती देती है तथा उसकी संज्ञानात्मक सीमाओं पर जोर देती है और ऐसी प्रक्रिया द्वारा निर्णय लिया जाएगा अर्थात साइमन का बाउंडेड रैशनैलिटी का सिद्धांत व्यवहार सिद्धांत पर आधारित है। साइमन के अनुसार चयन करते समय तर्क होना जरूरी है वह तर्कता को मूल्य व्यवस्था में प्राथमिक पूर्ण वैकल्पिक व्यवहार के चयन के रूप में लेते हैं। जिसके व्यावहारिक परिणाम का मूल्यांकन संभव है । साइमन कहते हैं कि किसी भी प्रकार के चयन के लिए उस संबंध में हर तरह का ज्ञान आवश्यक है और साथ ही इस चयन के प्रत्येक परिणाम का पूर्वानुमान भी आवश्यक है।

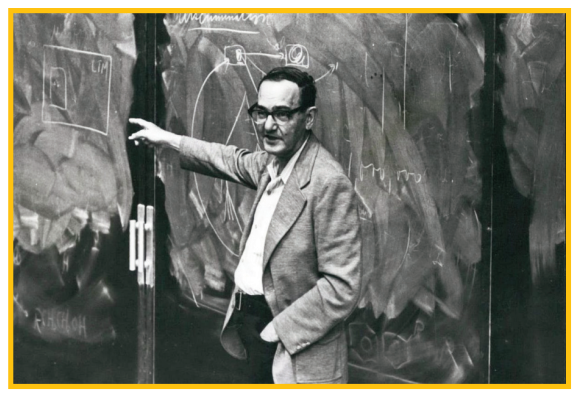

निर्णय लेने के दो प्रकार

मानक निर्णय / क्रमादेशित
वर्णनात्मक निर्णय / अक्रमादेशित
क्रमादेशित (निश्चित निर्णय)

निश्चित निर्णय से आधार यह है कि एक निश्चित कार्यक्रम या उसकी रूपरेखा हमारे दिमाग में है उसे क्रियान्वित करने से उसका समाधान स्वता ही प्राप्त हो जाता है हर सरकारी नियम या उप नियम एक कार्यक्रम है और उसके परिणामस्वरूप एक निश्चित निर्णय प्राप्त होता है।

असंक्रमित (अप्रक्रमित निर्णय) यह निर्णय होते हैं जो नए संरचनाविहीन, परिणामस्वरुप और स्वतंत्र रूप से नियंत्रण संकेत वाले होते हैं क्योंकि उनके लिए पहले से बनी कोई कार्यपद्धति नहीं होती । ऐसे में हर मामले में कार्यकारी अधिकारी को नया निर्णय लेना पड़ता है। सकारात्मक निर्णय को लागू करने की तकनीकें- स्वभाव, ज्ञान, तथा कार्यात्मक, और अनौपचारिक संवाद, माध्यम, इत्यादि। एक विश्वसनीय निर्णय को लागू करने के उपाय हैं:- अधिकारियों को चयन और प्रशिक्षण से उच्च गुणवत्ता प्राप्त होती है तथा उनमें प्रयोगधर्मिता की क्षमता होती है। साइमन अपनी रचना प्रशासनिक व्यवहार में दो तत्वों पर प्रमुखता से जोड़ते हैं:-

इनके अनुसार निर्णय से तत्व और मूल्य तत्वों का उचित योग होता है तथ्य यथार्थ की अभिव्यक्ति होती है जो स्वयं परिस्थितियों की वर्तमान स्थिति और व्यवहार का सूचक होता है किसी तथ्य पूर्ण आधार वाक्यों को पर्यवेक्षण के और मापनीय गति से सिद्ध किया जा सकता है। इसके विपरीत मूल्य से निरंतर पसंद से है मूल्य निर्भर की अभिव्यक्ति है मूल्यगत आधार वाक्य सिर्फ कुछ परिणामों में ही मान्य माने जा सकते हैं । 9 फरवरी, 2001 को हर्बर्ट साइमन का देहांत हो गया लेकिन निर्णय लेने के सिद्धांत को उन्होंने जो गति दी आज भी उद्धमिता के पाठ्यक्रम में एक महत्वपूर्ण विषय से एक है व बुद्धिमत्ता गतिविधिआर्टिफिशियल इंटेलीजेंट में एक महत्वपूर्ण विषय है।

संतानों के दुर्व्यवहार एवं उत्पीड़न से जटिल होती वृद्धावस्था

(लेखक- ललित गर्ग, विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस - 15 जून, 2024)

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा बढ़ती जा रही है, जो जीवन को नरक बनाये हुए है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। यही पीड़ा वृद्धजन को पल-पल की घुटन, तनाव एवं उपेक्षा से निकलकर वृद्धाश्रम जाने के लिए विवश करती है। संतान द्वारा बुजुर्गों की आवश्यकताओं को पूरा न करना गरिमा के साथ स्वतंत्र जीवन जीने जैसे मानवाधिकारों का हनन है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। एक बड़ा प्रश्न है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को किस तरह से रोके? क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धों के जीवन से जुड़ी इस विकट समस्या के समाधान के लिये ही विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस हर साल 15 जून को मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत सबसे पहले 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बुजुर्गों द्वारा अनुभव किए जाने वाले दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को 'एकल, या बार-बार की गई हरकत, या उचित कार्रवाई की कमी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो किसी भी रिश्ते में घटित होती है, जहाँ विश्वास की उम्मीद होती है, जो किसी बुजुर्ग व्यक्ति को नुकसान या परेशानी पहुँचाती है'। यह एक वैश्विक सामाजिक एवं पारिवारिक मुद्दा है जो दुनिया भर में लाखों बुजुर्गों के स्वास्थ्य और मानवाधिकारों को प्रभावित करता है और एक ऐसा मुद्दा है जिस पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 2024 की थीम 'सभी पहचानों की बुजुर्ग पीड़ितों के लिए सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देना' है। याद रखें, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को रोकने में छोटी-छोटी कदम भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन लोगों की आवाज बनें जो खुद के लिए बोलने में सक्षम नहीं हैं, दूसरों को शिक्षित करें और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए काम करने वाले संगठनों का समर्थन करें। साथ मिलकर, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सके। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस एक प्रयोजनात्मक अवसर एवं उत्सव है। यह दिन उन तरीकों को खोजने के लिए भी मनाया जाता है कि कैसे समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित किया जाये ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार का कारण क्या है? वृद्ध व्यक्ति अक्सर गतिशीलता संबंधी समस्याओं, पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों या सामाजिक अलगाव का सामना करते हैं। इसके अतिरिक्त, आपात स्थितियों का तनाव और अराजकता शारीरिक, भावनात्मक, वित्तीय या उपेक्षा सहित बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के जोखिम को बढ़ा सकती है। आपातकालीन स्थितियों में वृद्ध व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली विशिष्ट चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, हम अधिक समावेशी और सुरक्षात्मक वातावरण को बढ़ावा दे सकते हैं। बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक ऐसी वैश्विक समस्या है जो विकासशील और विकसित दोनों देशों में मौजूद है, हालाँकि बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की सीमा अज्ञात है, लेकिन इसका सामाजिक और नैतिक महत्व स्पष्ट है। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं महिला वृद्ध एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सृसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है। हमारा भारत तो बुजुर्गों को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल को वास्तविक रूप में अमृतमय बना सके। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। बड़े बूढ़ों के साथ दुर्व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। तथाकथित व्यक्तिवादी एवं सुविधावादी सोच ने समाज की संरचना को बदसूरत बना दिया है। आज बन रहा समाज का सच डरावना एवं संवेदनहीन है।

विचार मंथन

नीट पर बाजारवाद हावी होने के निहितार्थ

लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान

किसी देश या राज्य की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं जिनमें आवास और भोजन की पूर्ति करना ही प्रमुख नहीं होती, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी प्राथमिकताओं को पूरा करना भी अहम होता है। संस्कारित समाज की ये ऐसी आवश्यकताएं हैं, जिनसे राज्य व देश का सुनहरा भविष्य छिपा होता है। व्यक्ति जितना पढ़ा-लिखा और हुनरमंद होने के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार होगा वह राज्य व देश उतना ही ज्यादा तरक्की करेगा। इसलिए सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो इन सेवाओं को निःशुल्क या कम से कम खर्च में नागरिकों को उपलब्ध कराए। इसके लिए पूंजीवादी सोच और बाजारवाद को तिलांजलि देने की आवश्यकता होती है। जहां ऐसा होता है, वहां विकास की गंगा बहती है, लेकिन जहां पैसा ही सब कुछ हो जाता है, वहां मानव सेवा वाली सोच नदारद हो जाती है और बाजारवाद फलने-फूलने लगता है। यह सब इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि नीट मामले को लेकर जो खुलासे हुए हैं और जिस तरह से अदालत ने ग्रेस मार्क्स पाने वाले बच्चों को दोबारा इम्तिहान देने को कहा है, उससे एक बात तो तय हो गई कि सब कुछ सही नहीं है। घपले पर घपला तो यह रहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट-यूजी 2024 में कथित विसंगतियों के आरोपों के बीच परीक्षा का आयोजन करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इसकी गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जोशी को ही जांच पैनल का प्रमुख नियुक्त कर दिया। इस फैसले की भी खूब आलोचना हुई है। इस निर्णय के बाद जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठना लाजमी था, सो वही हो रहा है।

वैसे देखा जाए तो नीट एग्जाम के नाम पर एक अनैतिक व्यवसाय ने जगह ले ली है। इसके पीछे खरबों रुपयों के घपला-घोटाले का खेल भी चलता नजर आ रहा है, जिसे लेकर समय-समय पर चर्चाएं तो होती हैं, लेकिन कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाने की स्थिति में परिणाम भी नहीं मिल पाता है। इस स्थिति में तमाम कोशिशें ढाक के तीन पात साबित होती हैं। इसमें पिसते हैं वो मासूम बच्चे जो मेडिकल में अपना भविष्य बनाने के लिए उस व्यवस्था का हिस्सा बनने की कोशिश करते हैं, जिसमें जाकर वो अपने आप को पूंजीवादी मकड़जाल में फंसा हुआ पाते हैं। इनमें से जो हिम्मत हार जाते हैं वो समय पूर्व ही मौत को गले लगा अपने पीछे एक दर्दभरी दास्तां छोड़ जाते हैं। इन बच्चों के माता-पिता के दिल से पूछिए वो किस स्थिति में फिर जीते हैं। तिल-तिल कर मरने को जीवन तो नहीं कहा जा सकता है। जिन पालकों के बच्चे नीट की तैयारी करते हैं, उनके दिलों से पूछिए वो कभी चैन की नींद भी सो पाते हैं? ऐसे पालक और अभिभावक किसे दोष दें और किसे कोसें, शायद उन्हें खुद भी समझ नहीं आता है। नियति का खेल समझ सब सहते हैं और अंतत- सामने आता है एक नीट घोटाला जो अदालत तक जाकर भी अनसुलझा प्रतीत होता है। दरअसल पिछले दिनों जिस तरह से नीट पेपर लीक होने के आरोप लगे और फिर रिजल्ट को लेकर सड़क पर प्रदर्शन से लेकर अदालत तक जो आवाजें उठीं उसने इस गोरखधंधे से पर्दा उठाने का कार्य तो कर ही दिया है। गौर करें छात्र-छात्राएं अपनी तीन मांगों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खटखटाते हैं। इनकी पहली मांग होती है, काउंसलिंग को रोका जाए। कोर्ट सुनवाई करते हुए कहता है, काउंसलिंग को रोका तो नहीं जा सकता। फिर मामला आगे बढ़ता है तो समय बढ़ाते हुए 6 जुलाई से काउंसलिंग करने के आदेश दे दिए जाते हैं। दूसरी मांग ग्रेस मार्क्स प्रक्रिया को हटाया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ग्रेस पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देने का मौका देते हुए 23 जून को परीक्षा और 30 जून को रिजल्ट देने का आदेश दे देता है। इसे लेकर कहा जाता है कि जिन बच्चों ने ईमानदारी से एग्जाम दिया और अच्छे मार्क्स पाए हैं उन पर दोबारा एग्जाम गाज गिरने जैसी बात है। मतलब एक चोर को पकड़ने के लिए तमाम मासूमों को शक के दायरे में ले लिया गया है। बहरहाल तीसरी मांग जो सबसे अहम कही जा रही थी वह, पेपर लीक की एसआईटी जांच हो। अब जबकि अदालत ने ग्रेस मार्क्स पाए बच्चों को दोबारा एग्जाम देने और काउंसलिंग नहीं रोके जाने के लिए कह दिया है, ऐसे में यह मांग बेमानी प्रतीत होती है। दरअसल नीट में हुए घपले-घोटाले की इसे पहली सीढ़ी माना जाना चाहिए था, जिससे आगे के सभी तार जुड़ते हैं। मजेदार बात यह है कि एनटीए ने पेपर लीक होने से साफ इंकार कर दिया, लेकिन फिर यह क्यों मान लिया कि अनियमितताएं हुईं हैं जो अब सभी के सामने हैं। इसलिए यह तो सभी समझ रहे हैं कि नीट एग्जाम के नाम पर बड़ा घोटाला हुआ है और इस घालमेल में सभी सहभागी हैं, जिस कारण अब लीपापोती करने की कोशिश बड़े पैमाने पर की जा रही है। मौजूदा मामले में तो करोड़ों रुपयों के लेन-देन के आरोप भी लगे हैं, जिनमें कुछ खास कोचिंग सेंटर पर सुई अटकी हुई है। इस तरह नीट परीक्षा में बैठने के लिए दी जाने वाली करोड़ों की फीस के अतिरिक्त जो पैसों का खेल खेला गया वह अब उजागर होने की स्थिति में आ गया है, बस जरुरत कर्तव्यनिष्ठ ईमानदारी के साथ जांच और उसके रिजल्ट को सभी के सामने लाने की है।

हुंदै मोटर ने आयोनिक-5 की 1,744 इकाइयां वापस बुलाई

नई दिल्ली । हुंदै मोटर इंडिया एकीकृत चार्जिंग नियंत्रण इकाई में समस्या के कारण अपने इलेक्ट्रिक मॉडल आयोनिक 5 की 1,744 इकाइयों को वापस बुला रही है। उद्योग संगठन सियाम के अनुसार इन इकाइयों में यह समस्या आई है। सियाम की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कंपनी इसको ठीक करने के लिए 21 जुलाई 2022 से 30 अप्रैल 2024 के बीच निर्मित इकाइयों को वापस बुला रही है। इसमें कहा गया कि कि वह इन इकाइयों को एकीकृत चार्जिंग नियंत्रण इकाई में संभावित समस्या के कारण वापस बुला रही है, जिससे 12 वोल्ट बैटरी डिस्चार्ज हो सकती है। हुंदै कंपनी के प्रवक्ता ने कहा` कि हुंदै मोटर इंडिया में ग्राहकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। आयोनिक 5 को वापस मंगाना, प्रभावित वाहनों में एकीकृत चार्जिंग नियंत्रण इकाई (आईसीसीयू) का निरीक्षण और उन्नयन करने के लिए एक सक्रिय कदम है। इसका ग्राहकों पर कोई खर्च नहीं आएगा। प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी के समर्पित दल वाहन मालिकों के संपर्क में रहेंगे और इस संबंध में उनका मार्गदर्शन करेंगे।आयोनिक 5 की कीमत 46.05 लाख रुपये एक्स-शोरूम से शुरू होती है।

भेल को अडाणी पावर से 7,000 करोड़ के ठेके मिले

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भेल को अडाणी पावर से 7,000 करोड़ रुपये के दो बिजली संयंत्रों के ठेके प्राप्त हुए हैं। भेल ने एक बयान में कहा कि पहला ठेका छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में स्थापित किए जा रहे रायपुर सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट का अडाणी पावर लिमिटेड से मिला है। बयान के अनुसार उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में स्थापित किए जा रहे मिर्जापुर सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के लिए दूसरा ठेका एमटीईयूपीपीएल से मिला हे। भारी उद्योग मंत्रालय के अधीन भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) भारत का सबसे बड़ा इंजीनियरिंग व विनिर्माण उद्यम है। यह ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में काम करता है।

स्टेनली लाइफस्टाइल्स का आईपीओ 21 जून को खुलेगा

नई दिल्ली । लक्जरी फर्नीचर ब्रांड स्टेनली लाइफस्टाइल्स की योजना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 537 करोड़ रुपये जुटाने की है। स्टेनली लाइफस्टाइल्स के अनुसार कंपनी का आईपीओ 21 जून को खुलेगा और 25 जून को बंद होगा। एंकर निवेशक 20 जून को बोली लगा पाएंगे। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्य दायरा 351-369 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ में 200 करोड़ रुपये मूल्य के ताजा शेयर और कंपनी के प्रवर्तकों तथा अन्य शेयरधारकों द्वारा 91.33 लाख शेयर की बिक्री पेशकश शामिल है। बेंगलुरु स्थित स्टेनली लाइफस्टाइल एक लक्जरी फर्नीचर ब्रांड है। यह अपने कई ब्रांड के जरिए सुपर-प्रीमियम, लक्जरी और अल्ट्रा-लक्जरी सहित विभिन्न मूल्य श्रेणियों में काम करने वाली कुछ भारतीय कंपनियों में से एक है। कंपनी की बेंगलुरू में दो विनिर्माण सुविधाएं हैं।

थोक मुद्रास्फीति मई में बढ़कर 2.61 प्रतिशत हुई

- थोक मुद्रास्फीति अप्रैल में 7.74 प्रतिशत थी

नई दिल्ली ।

खाने पीने की वस्तुओं विशेषकर सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में बढोतरी की वजह से थोक मुद्रास्फीति मई में लगातार तीसरे महीने बढ़कर 2.61 प्रतिशत हो गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में 1.26 प्रतिशत थी। मई 2023 में यह शून्य से नीचे 3.61 प्रतिशत रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा ` कि मई 2024 में मुद्रास्फीति बढ़ने का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस, खनिज तेल, अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि रहा। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति मई में 9.82 प्रतिशत बढ़ी, जबकि अप्रैल में यह 7.74 प्रतिशत थी। मई में सब्जियों की महंगाई दर 32.42 प्रतिशत रही, जो अप्रैल में 23.60 प्रतिशत थी। प्याज की महंगाई दर 58.05 प्रतिशत, जबकि आलू की महंगाई दर 64.05 प्रतिशत रही। दालों की महंगाई दर मई में 21.95 प्रतिशत रही। ईंधन एवं बिजली क्षेत्र में मुद्रास्फीति 1.35 प्रतिशत रही, जो अप्रैल के 1.38 प्रतिशत से मामूली कम है। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति 0.78 प्रतिशत रही, जो अप्रैल में शून्य से नीचे 0.42 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक में मई में वृद्धि महीने के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के विपरीत है। इस सप्ताह की शुरुआत में जारी आंकड़ों के अनुसार मई में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.75 प्रतिशत पर आ गई जो एक साल का सबसे निचला स्तर है। भारतीय रिजर्व

बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। आरबीआई ने इस महीने की शुरुआत में लगातार आठवीं बार ब्याज दर को यथावत रखने का फैसला किया था।

बकरीद के मौके पर 17 जून को बंद रहेंगे शेयर बाजार

- शाम के सेशन में कमोडिटी ट्रेडिंग की मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली । बकरीद के मौके पर सोमवार 17 जून को बंबई स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज बंद रहेंगे। इस दिन शेयर बाजार में इक्विटी, डेरिवेटिव, कमोडिटी और डेट सेगमेंट में कामकाज नहीं होगा। कमोडिटी मार्केट में हालांकि सोमवार को शाम को 5 से 11:00 बजे के सेशन में कारोबार किया जाएगा। शेयर बाजार ने निवेशकों, बैंक और मर्चेंट बैंकर को इस बारे में जानकारी दी है कि सोमवार को बकरीद के मौके पर फंड का सेटलमेंट और सिक्योरिटी का सेटलमेंट नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही इंटर सेगमेंट फंड ट्रांसफर की सुविधा भी सोमवार 17 जून को उपलब्ध नहीं हो पाएगी। इससे पहले 15 जून और 16 जून 2024 को शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश की वजह से शेयर बाजार का कामकाज बंद रहेगा। ऐसे में लगातार तीन दिन शेयर बाजार में छुट्टी रहने वाली है। शेयर बाजार के साथ ही 17 जून को बकरीद के मौके पर कमोडिटी डेरिवेटिव और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट पर सुबह 9 बजे से लेकर 5 बजे तक बंद रहने वाला है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड पर शाम का कामकाज सामान्य तरीके से होगा।

सोने का भाव 71,200, चांदी 88,200 रुपए

नई दिल्ली । देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,200 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 125 रुपये की तेजी के साथ 71,263 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 84 रुपये की तेजी के साथ 71,222 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 258 रुपये की तेजी के साथ 88,241 रुपये पर खुला। इस समय यह 234 रुपये की तेजी के साथ 88,217 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। चांदी के वायदा भाव सुस्त शुरुआत के बाद सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,319.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,318 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,323.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.03 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.06 डॉलर था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 0.06 डॉलर की तेजी के साथ 29.12 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी दिग्गज शेयरों में खरीददारी हावी होने से आई है। इसके साथ ही निर्यात बढ़ने और एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज , महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में आई तेजी से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.24 करीब 181.87 अंक बढ़कर 76,992.77 पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.29 फीसदी तकरीबन 66.70 अंक की बढ़त के साथ 23,465.60 अंक पर बंद हुआ। इंट्रा-डे कारोबार में यह 91.5 अंक या 0.39 फीसदी बढ़कर 23,490.40 के नए रिकॉर्ड लेवल पर भी पहुंच गया था। निफ़्टी की 50 कंपनियों में से 28 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 22 के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.20 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। साथ ही टाइटन, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज , टाटा मोटर्स, अल्ट्रा सीमेंट, बजाज फाइनेंस और एक्सिस बैंक के शेयर मुख्य रुप से लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 1.38 फीसदी टूटा। इसके अलावा टीसीएस, विप्रो, एचसीएल टेक, कोटक बैंक, एलएंडटी, एसबीआई, एनटीपीसी के शेयरों में भी गिरावट रही। मई में वस्तु निर्यात नौ फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 34.95 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, आयात 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो मई 2023 में 57.48 अरब अमेरिकी डॉलर था। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत हल्की बढ़त के साथ हुई। बेंचमार्क निफ्टी 50 शुक्रवार सुबह 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 23,464 के स्तर पर नई ऊंचाई पर पहुंच गया, जबकि बीएसई सेंसेक्स

30 अंक की मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा। हालांकि थोड़ी देर में बाजार के प्रमुख इंडेक्स में गिरावट का सिलसिला देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स 202 अंक फिसलकर 76,608 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ़्टी 50 41 अंक गिरकर 23,357 के लेवल पर आ गया। वहीं एशियाई बाजार की बात करें तो जापान का निक्केई 225 0.31 फीसदी अधिक गिर गया, व्यापक टॉपिक्स सूचकांक 0.03 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ सपाट कारोबार कर रहा है। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.1 फीसदी की गिरावट आई , जबकि स्मॉल-कैप कोस्डैक इंडेक्स 0.91 फीसदी की गिरावट दिखी।

प्याज की कीमतें फिर बढ़ीं, आलू भी महंगा हुआ

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव के बाद प्याज की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। पिछले एक हफ्ते में प्याज के भाव 50 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए। सरकार पहले से ही प्याज की कीमतों को लेकर परेशान थी। प्याज की कीमतों को` नियें त्रित करने के लिए सरकार ने दिसंबर 2023 में प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, इस वित्त वर्ष की शुरुआत में ही सरकार ने प्रतिबंध हटा दिया। अब रिटेल मार्केट में प्याज की कीमतों में एक बार फिर से आए उछाल ने आम जनता के साथ सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी है। गौरतलब है` कि प्याज की कीमतों में तो तेजी आ ही रही है। वहीं आलू के भाव भी बढ़ रहे हैं। गर्मी के सीजन में हरी सब्जियों के साथ आलू-प्याज की कीमतों में हो रहा इजाफा आम जनता के लिए मुसीबत ला रहा है। एक हफ्ते में प्याज 50 फीसदी तक महंगा हो गया है। 2 जून 2024 को रिटेल मार्केट में प्याज की कीमत 25 से 30 रुपये प्रति किलो थी। जो 9 जून को बढ़कर 35 से 40 रुपये प्रति किलो हो गई है।11 जून को प्याज की कीमत 50 रुपये प्रति किलो हो गई है। ऐसे में सब्जी विक्रेता का कहना है कि जब मंडी में प्याज महंगा है तो खुदरा बाजार में इनके दाम तो और ज्यादा होंगे ही। देश की सबसे बड़ी मंडी

नासिक की लासलगांव मंडी में 25 मई को प्याज के दाम 17 रुपये प्रति किलोग्राम था जिसकी अभी कीमत 25 रुपये हो गई है। वहीं, सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले प्याज के दाम 30 रुपये के पार पहुंच गए हैं। ऐसे में जाहिर है कि नासिक मंडी से दिल्ली आते-आते प्रति किलो प्याज के दाम में 5-7 रुपये का खर्च और जुड़ जाएगा। वहीं जून के शुरुआत में आलू के भाव 20-25 रुपये प्रति किलो था जो अब 35 से 40 रुपये किलो हो गया है। 17 जून को बकरा ईद है। ऐसे में त्योहार के दौरान प्याज की मांग वैसे ही बढ़ जाती है।

टाटा कंज्यूमर का एफएमसीजी कंपनी बनने का लक्ष्य

नई दिल्ली । टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) एक पूर्ण एफएमसीजी कंपनी बनने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने यह बात कही है। कंपनी की योजना नई श्रेणियों में उतरने की है और उसने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने पूंजीगत व्यय को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 785 करोड़ रुपए कर दिया है। इसका एक प्रमुख हिस्सा वियतनाम में एक नए संयंत्र पर खर्च किया जाएगा। कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के सवालों के जवाब देते हुए अ धिकारी ने कहा कि कंपनी वित्तीय व्यवहार्यता और वृद्धि के अवसरों को देखते हुए अधिग्रहण पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि मोटा अनाज एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर कंपनी ध्यान केंद्रित करना चाहती है और अधिक उत्पाद पेश करना चाहती है। यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी केवल पेय और खाद्य पदार्थों पर ही ध्यान केंद्रित करेगी या यह पूर्ण रूप से एफएमसीजी कंपनी बनेगी, उन्होंने कहा कि योजना पूर्ण रूप से एफएमसीजी कंपनी बनने की है। कंपनी हमेशा ही ऐसे अवसर तलाशती रहती है। टीसीपीएल ने पिछले वित्त वर्ष में लगभग 7,000 करोड़ रुपए में दो कंपनियों- कैपिटल फूड्स और ऑर्गेनिक इंडिया का अधिग्रहण किया था।

यूपी में बीयर की खपत में 10 फीसदी की गिरावट

- देसी शराब पिछले साल अप्रैल महीने की अपेक्षा इस बार खूब पी गई

लखनऊ ।

मौजूदा वित्तीय वर्ष के पहले महीने के बीयर और शराब की बिक्री के आंकड़े चौकाने वाले हैं। अप्रैल में भीषण गर्मी के बाद भी यूपी में बीयर की खपत कम हुई, तो देसी शराब पिछले साल अप्रैल महीने की अपेक्षा इस बार खूब पी गई। अंग्रेजी शराब के शौकीन भी पीछे नहीं रहे। एक महीने में प्रदेश में 2.30 करोड़ बोतलें अंग्रेजी शराब की बिकीं। आबकारी विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2023 की अपेक्षा अप्रैल 2024 में बीयर की बिक्री में 10 फीसदी की कमी आई है। पिछले साल इस महीने में यूपी में 8.79 करोड़ कैन की खपत हुई थी। इस साल अप्रैल में बीयर की बिक्री में करीब एक करोड़ कैन की कमी आई। अप्रैल 2023 में 6.59 करोड़ लीटर देसी शराब बिकी थी लेकिन इस बार अप्रैल में यूपी वाले 7.40 करोड़ लीटर देसी शराब गटक गए। यह बढ़ोतरी 12.20 फीसदी की है। देसी पीने में सबसे आगे लखनऊ जोन रहा।

वहीं, अप्रैल 2023 में प्रदेश में 2.20 करोड़ बोतलें अंग्रेजी शराब की बिकी थीं, जबकि इस बार 2.30 करोड़ बोतलें अंग्रेजी शराब की बिकीं। यूपी लिकर वेलफेयर असोसिएशन के एक अधिकारी

का कहना है कि उपभोक्ता गर्मी बढ़ने के बावजूद बीयर की बजाए देसी और अंग्रेजी शराब को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी ने आफत मचा रखी है। सुबह से तेज धूप में शहर के रास्ते तपते रहे और भभकती गर्म हवाओं के थपेड़े लोगों को सता रहे हैं। इस बीच गुरुवार को लखनऊ में अधिकतम तापमान 44.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि इससे पहले रात का पारा 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

विदेश के चार क्रिप्टो एक्सचेंजों ने भारत में कारोबार करने की मांगी अनुमति

- भारत ने इसी साल की शुरुआत में 9 क्रिप्टो एक्सचेंजों पर रोक लगा दी थी

नई दिल्ली । विदेश के चार एक्सचेंजों ने भारत में कारोबार करने के लिए संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच करने वाली राष्ट्रीय एजेंसी फाइनैंशियल इंटेलिजेंस यूनिट-इंडिया (एफआईयू-इं डिया) से अनुमे ति मांगी है। कूकॉइन और बाइनेंस ने भी ऐसा ही अनुरोध किया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि कूकॉइन और बाइनेंस के अलावा हमें भारत में प्रतिबंधित 9 में से 4 अन्य विदेशी एक्सचेंजों से अनुरोध मिले हैं। इस बारे में जानकारी पाने के लिए वित्त मंत्रालय को ईमेल भेजा गया मगर खबर लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया। भारत ने इसी साल की शुरुआत में 9 क्रिप्टो एक्सचेंजों पर रोक लगा दी थी। ये एक्सचेंज बाइनेंस, कूकॉइन, हुओबी, क्रैकेन, गेट डॉट आईओ, बिटस्टैंप, एमईएक्ससी ग्लोबल, बिट्रेक्स और बिटफेनिक्स हैं। एफआईयू-इंडिया ने 34.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के बाद मार्च 2024 में कूकॉइन से प्रतिबंध हटा लिया था। मगर बाइनेंस को अभी राहत नहीं मिली है। अधिकारी ने कहा कि बाइनेंस के लिए प्रक्रिया अभी चल रही है। हम उम्मीद करते हैं कि वह भी जल्द ही काम शुरू कर देगा। काले धन को सफेद बनाने से रोकने के लिए बने भारतीय कानूनों का उल्लंघन होने पर एफआईयू-इंडिया ने देश में अवैध तरीके से कारोबार कर रहे 9 विदेशी क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। यह नोटिस 28 दिसंबर को भेजा गया और उसके बाद उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। फिलहाल देश में क्रिप्टो करेंसी में कारोबार करने वाली 46 पंजीकृत संस्थाएं हैं। कूकॉइन और बाइनेंस के साथ उनकी कुल संख्या बढ़कर 48 हो जाएगी। सितंबर 2023 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) ने देशों के लिए दिशानिर्देश एवं क्रिप्टो परिसंपत्तियों के लिए नियमों की रूपरेखा पेश करने वाला एक सिंथेसिस पेपर प्रकाशित किया था। पेपर में निवेशक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और धन शोधन एवं आतंकवाद को मिल रही वित्तीय सहायता रोकने के उपाय बताए गए थे। अक्टूबर 2023 में जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की बैठक में आईएमएफ एवं एफएसबी के पेपर में दी गई रूपरेखा स्वीकार कर ली गई।

अंबुजा सीमेंट 10,422 करोड़ में करेगी पेन्ना सीमेंट का अधिग्रहण

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट दक्षिण भारत की पेन्ना सीमेंट कंपनी का अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने कहा कि वह इसका अे धिग्रहण 10,422 करोड़ रुपये उद्यम मूल्य पर करने जा रही है। सितंबर 2022 में सीमेंट कारोबार में उतरने के बाद से समूह का इस उद्योग में तीसरा अधिग्रहण है। अंबुजा सीमेंट ने सौदे के लिए पेन्ना सीमेंट के साथ बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। वह पेन्ना सीमेंट के प्रवर्तकों पी प्रताप रेड्डी और उनके परिवार से कंपनी में 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। अंबुजा सीमेंट ने कहा कि इस सौदे से उसकी कुल उत्पादन क्षमता 1.4 करोड़ टन सालाना बढ़ जाएगी और अदाणी समूह के सीमेंट कारोबार की कुल क्षमता 8.9 करोड़ टन सालाना हो जाएगी। सौदा 3 से चार महीने में पूरा होने की उम्मीद है। पेन्ना सीमेंट 2019 ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने का प्रयास किया था मगर नाकाम रही। इंडिया रेटिंग्स ने इस साल जनवरी में कंपनी पर एक नोट में कहा था कि पेन्ना सीमेंट को वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में 11 करोड़ रुपये का एबिटा घाटा हुआ है। कोयला महंगा होने और परिचालन दक्षता कम होने से कंपनी को घाटा हुआ था। अभी पेन्ना सीमेंट की कुल सालाना परिचालन क्षमता 1 करोड़ टन है और 20-20 लाख टन सालाना क्षमता के दो कारखाने कृष्णापट्टनम तथा जोधपुर में बन रहे हैं। दोनों अगले 6 से 12 महीने में चालू हो सकते हैं। अंबुजा सीमेंट ने कहा कि अधिग्रहण के लिए रकम आंतरिक संसाधनों से जुटाई जाएगी।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा

नई दिल्ली।

सरकारी तेल कंपनियां प्रतिदिन पेट्रोल और डीजल का नए भाव जारी करती है। तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में फ्यूल की कीमतों में गिरावट हुई तो वहीं देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया। इसी के साथ देश के चार प्रमुख महानगरों को छोड़कर ज्यादातर शहरों में ईंधन के दाम बदल गए। यूपी में पेट्रोल 71 पैसे चढ़कर 96.06 और डीजल 69 पैसे महंगा होकर 89.21 रुपये लीटर हो गया है जबकि राजस्थान पेट्रोल और डीजल के दाम 17-17 पैसे चढ़कर 106.29 और 91.63 रुपये लीटर हो गए हैं। महाराष्ट्र के जलगांव में पेट्रोल 105.56 और डीजल 92.04 रुपये लीटर हो गया है।

वहीं बिहार में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। बिहार में पेट्रोल 18 पैसे घटकर 107.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 17 पैसे

घटकर 93.84 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है।

कनाडा के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

लॉडरहिल (एजेंसी)। भारतीय टीम शनिवार को यहां अपने अंतिम ग्रुप ए मैच में कनाडा के खिलाफ जीत की लय बनाये रखने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक अपने तीनों ही मैच जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। इस मैच में हालांकि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा पर सबकी नजरें रहेंगी। विराट अब तक तीनों ही मैचों में रन नहीं बना पाये हैं ओर उनका लक्ष्य इस मैच में रन बनाकर सुपर आठ से पहले लय हासिल करना रहेगा। यही हाल जडेजा का भी है वह भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अब तक प्रभावि नहीं कर पाये हैं। भारतीय टीम इस मैच के लिए फ्लोरिडा पहुंची है और उम्मीद है कि शहर बदलने के साथ कोहली को भाग्य का साथ भी मिलने लगेगा। इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है पर वह कनाडा को हल्के में नहीं लेगी क्योंकि कनाडाई टीम ने आयरलैंड के खिलाफ 12 रन की जीत के साथ अपने को साबित किया है। उसके सलामी बल्लेबाज आरोन जॉनसन किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को विफल कर सकते हैं। कनाडा के लिए हालांकि भारतीय टीम के खिलाफ उलटफेर करना संभव नजर नहीं आता है।

ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम की पिच से गेंदबाजों को शायद न्यूयॉर्क जितनी मदद नहीं मिले जहां की पिच पर असमान उछाल था। ऐसे में भारतीय टीम कनाडा के खिलाफ कुलदीप यादव या युजवेंद्र चहल में से किसी एक को अवसर देने के बारे में सोच सकती है। ऐसी स्थिति में भारत को अक्षर पटेल को बाहर करना पड़ सकता है।

इस मैदान पर 16 मैचों में, पहले बल्लेबाजी करने का औसत स्कोर लगभग 165 है, जो काफी अच्छा है और इसका मतलब है कि टीमें लगभग 170 से 180 रन बना सकता हैं जबकि न्यूयॉर्क में 110 से 120 बन रहे थे।

यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 11 मैच जीते हैं जबकि लक्ष्य का पीछा करते हुए 4 मुकाबले जीते हैं। यहां पर बल्ले और गेंद के बीच अच्छा मुकाबला देखने को मिल सकता है। भारतीय गेंदबाजों ने न्यूयार्क की पिच पर शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वे यहां भी बनाये रखना चाहेंगे।

टीम

भारत टी20 विश्व कप-रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

कनाडा टी20 विश्व कप-साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, डाइलन हेलिगर, दिलप्रीत बाजवा, ऋषिव जोशी, जेरेमी गॉर्डन, जुनैद सिद्दीकी, कलीम सना, कंवरपाल तथगुर, नवनीत धालीवाल, निकोलस किरटन, परगट सिंह, रविंद्रपाल सिंह, रेयानखान पठान और श्रेयस मोव्वा (विकेट कीपर)।

नडाल और अलकराज पेरिस ओलंपिक में युगल जोड़ीदार के तौर पर उतरेंगे

बार्सिलोना (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस महासंघ ने कहा है कि अगामी पेरिस ओलंपिक में राफेल नडाल और कार्लोस अलकराज युगल मुकाबले में खेलते हुए नजर आयेंगे। ये दोनो हालांकि एकल मुकाबले के चैम्पियन हैं। अलकराज ने हाल ही में हुए फ्रेंच ओपन एकल में जीत हासिल की थी। वहीं अनुभवी नडाल के नाम 22 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं। ओलंपिक के टेनिस मुकाबले उसी कोर्ट में खेले जाएंगे जिसमें फ्रेंच ओपन के मुकाबले हुए हैं, ऐसे में इन दोनो को ही हालात से तालमेल बनाना आसान रहेगा। स्पेन के कप्तान डेविड फेरर ने टीम की कहा, ''नडाल और अलकराज पेरिस में एक साथ खेलेंगे।'' इसके अलावा टीम में पाब्लो कैरेनो बुस्टा, एलेजांद्रो डेविडोविच और मार्सेल ग्रेनोलर्स भी शामिल होंगे।

अलकराज का लक्ष्य ओलंपिक में पदक जीतना है क्योंकि उनका मानना है कि इसका विशेष महत्व है। उन्होंने फ्रेंच ओपन में जीत के बाद कहा था कि इस साल वह अपने विंबलडन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने की जगह पर पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने को अधिक महत्व देंगे। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम अलकराज ने कहा, ''ओलंपिक खेल हर चार साल में होते हैं और यह एक विशेष टूर्नामेंट है जहां आप न अपने साथ ही अपने देश के लिए भी खेलते हैं। स्पेन का प्रतिनिधित्व करते हुए मुझे लगता है कि इस साल मैं ओलंपिक स्वर्ण जीतना चाहूंगा।''

कनाडा के खिलाफ मुकाबले में विराट पर रहेंगी सभी की नजरें

लॉडरहिल (एजेंसी)। भारतीय टीम शनिवार को टी20 विश्व कप क्रिकेट में कनाडा से अपना अंतिम ग्रुप ए मैच खेलेगी। इसमें भारतीय टीम जीत के साथ अपनी लय बनाये रखने उतरेगी। भारतीय टीम पहले ही सुपर आठ में पहुंच गयी है। ऐसे में ये मैच उसके लिए केवल औपचारिकता भर है। इस मैच में सभी की नजरें भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर रहेंगी। विराट इस सत्र में अबतक असफल रहे हैं। उन्होंने तीन मैचों में केवल पांच रन बनाये हैं। ऐसे में सभी उनसे सुपर आठ मुकाबलों से पहले फार्म हासिल करने की उम्मीद कर रहे हैं। इस मुकाबले पर बारिश का साया भी मंडरा रहा है ऐसे में प्रशंसक उम्मीद करेंगे कि खेल हो सके। भारतीय टीम पहले ही सुपर आठ चरण में पहुंच गयी है और अब आगे उसके सभी मुकाबले वेस्टइंडीज में होंगे।

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की ओर से 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 700 से अधिक रन बनाने के बाद कोहली टी20 विश्व कप में आए थे पर वह विफल रहे हैं। वह अब अब तीन मैच में 1.66 के औसत से पांच ही

रन बना पाए हैं। अमेरिका के खिलाफ वह पहली ही गेंद पर आउट हुए।

भारतीय टीम न्यूयॉर्क से 1850 किमी की यात्रा करके फ्लोरिडा पहुंची है और उम्मीद है कि शहर बदलने के साथ किस्मत भी कोहली को साथ देने लगेगी। भाग्य भी बदलेगा। ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम की पिच से गेंदबाजों को शायद न्यूयॉर्क जितनी मदद नहीं मिले जहां की पिच पर असमान उछाल था और धीमा आउटफील्ड के कारण क्रिकेट से अधिक मैदान और पिच की चर्चा हो रही थी। कोहली के ऊपर से हालांकि इस तथ्य से दबाव कुछ कम होगा कि उनके खराब प्रदर्शन का असर टीम के प्रदर्शन पर नहीं पड़ा है।

नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। टी20 विश्वकप में शनिवार को इंग्लैंड की टीम नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर सुपर आठ के लिए अपनी संभावनाएं मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। पिछले मैच में ओमान के खिलाफ बड़ी जीत से उसका नेट रन रेट बेहतर हुआ है जिससे अब वह बनाये रखना चाहेगी। स्कॉटलैंड के खिलाफ बारिश के कारण मैच नहीं होने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार से उसके लिए सुपर आठ का सफर कठिन हुआ है हालांकि

ओमान को महज 47 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड की संभावनाएं बढी हैं। उसने इस मैच में रिकॉर्ड 101 गेंद के अंतर से जीत दर्ज की। इस परिणाम से इंग्लैंड का नेट रन रेट काफी अच्छा हो गया जो ग्रुप बी में उनके और स्कॉटलैंड के बीच महत्वपूर्ण अंतर है। इंग्लैंड का नेट रन रेट -1.8 से +3.08 हो गया जबकि स्कॉटलैंड का नेट रन रेट +2.16 है। सबसे अहम बात है कि स्कॉटलैंड के अभी पांच अंक हैं जबकि इंग्लैंड के तीन अंक। इससे दो बार की पूर्व चैम्पियन इंग्लैंड को नामीबिया को हराकर स्कॉटलैंड की बराबरी पर पहुंचने की जरूरत होगी और इसके साथ ही उसे यह भी उम्मीद करनी होगी कि स्कॉटलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया से हार जाये।

इस स्थिति में इंग्लैंड बेहतर नेट रन रेट की बदौलत सुपर आठ के लिए क्वालीफाई करेगा पर अगर स्कॉटलैंड ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है या फिर मैच बारिश के कारण नहीं हो पता है तो इंग्लैंड बाहर हो जायेगी। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ओमान पर बड़ी जीत के बाद आत्मविश्वास से भरे थे, उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि ड्रेसिंग रूम में क्या चल रहा है। हमारे खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं और हमें आगे एक और बड़ा मैच खेलना है।

सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम की पिच पर गेंद उछाल और टर्न ले रही है। इंग्लैंड के गेंदबाज ने ओमान के खिलाफ हालातों का फायदा उठाकर तीन तीन विकेट हासिल किये तथा ओमान को टी20 अंतरराष्ट्रीय में उसके सबसे कम स्कोर 47 रन पर समेट दिया था। स्टोक्स उम्मीद करेंगे कि उनके गेंदबाज ऐसा ही नामीबिया के खिलाफ भी करें। इसके लिए हालांकि उन्हें टॉस जीतना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम करन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉप्ले और मार्क वुड।

नामीबिया : गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जेन ग्रीन, माइकल वैन लिंगेन, डायलन लीचर, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, टैंगेनी लुंगामेनी, निको डेविन, जेजे स्मिट, जान फ्राइलिनक, जेपी कोट्ज, डेविड विसे, बर्नार्ड स्कोल्ट्ज, मालन क्रूगर और पीडी ब्लिगनॉट।

ओलंपिक तैयारियों के लिए राफेल नडाल विंबलडन से हटे

मैड्रिड। स्पेनिश टेनिस स्टार राफेल नडाल पेरिस ओलंपिक 2024 की तैयारी के कारण वह विंबलडन टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। राफेल नडाल ने गुरुवार को आगामी विंबलडन 2024 से हटने के अपने फैसले की आधिकारिक पुष्टि करते हुए कहा कि यह उनका आखिरी ओलंपिक होगा। उन्होंने कहा कि वह आल इंग्लैंड क्लब के लिए घास के कोर्ट पर खेलने और फिर क्ले कोर्ट पर वापस आने की बजाय सिर्फ क्ले कोर्ट पर ही खेलना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 'पेरिस ओलंपिक मेरा आखिरी ओलंपिक होगा। मेरा मानना है कि मेरे शरीर के लिए सबसे अच्छा यही है कि मैं सतह न बदलूं और तब तक क्ले पर खेलता रहूं।

सुपर आठ चरण में और प्रतिस्पर्धी स्कोर देखने की उम्मीद : रबाडा

किंग्स्टन (सेंट विन्सेंट)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा को टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में प्रतिस्पर्धी स्कोर देखने की उम्मीद है क्योंकि वेस्टइंडीज की पिचों की प्रकृति टूर्नामेंट के अमेरिकी चरण में इस्तेमाल की गयी 'ड्राप इन' पिच से अधिक निरंतर होंगी। न्यूयॉर्क की पिचों पर अत्यधिक उछाल से रन बनाना काफी मुश्किल हो रहा था। अब सुपर आठ के मैच कैरेबियाई स्थलों पर खेले जाएंगे। रबाडा ने यहां नेपाल के खिलाफ ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका के अंतिम मुकाबले की पूर्व संध्या पर कहा, ''मुझे उम्मीद है कि परिस्थितियां थोड़ी अच्छी होगी क्योंकि अमेरिका में 'ड्राप इन' पिचें थीं। आपको नहीं पता कि ऐसी पिचें किस तरह से बर्ताव करेंगी। उन्होंने कहा, 'अब आपके पास ऐसा मैदान होगा जो वर्षों से बना हुआ है और आपको शायद और प्रतिस्पर्धी स्कोर देखने को मिलेंगे।' रबाडा ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला देखने के लिए संतुलित पिच पर खेलना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'आप ऐसा मैच चाहते हो जिसमें पिच पर गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को समान फायदा मिले। और यही क्रिकेट का खेल भी होता है।'

शुभमन गिल, अवेश खान की कटी रिटर्न टिकट, न्यूयार्क लेग के बाद लौटेंगे घर

न्यूयार्क (एजेंसी)। टीम इंडिया सुपर 8 में पहुंच चुकी है। अब तक फ्लोरिडा के नसाऊ क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीन मुकाबले टीम इंडिया ने अपने गेंदबाजों के कारण जीत लिए हैं। सभी क्रिकेटर इस वक्त चोट रहित है, ऐसे में यूएसए लेग खत्म होने के बाद भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल और अवेश खान की रिटर्न टिकट कट गई है। वह वापस भारत आ जाएंगे और उन्हें घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेने की छूट होगी। टीम प्रबंधन के इस कदम के पीछे माना जा रहा है कि उन्होंने अपनी प्लेइंग इलेवन ढूंढ ली है। विश्व कप शुरू होने से पहले यशस्वी जयसवाल को ओपनर चुना गया था लेकिन क्योंकि इस विश्व कप रोहित के साथ विराट ओपनिंग कर रहे हैं, तो ऐसे में जयसवाल को एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला है। ऐसे में शुभमन का वहां रुकने का कोई अर्थ नहीं है। इसी तरह तेज गेंदबाजी विभाग भी

एक्टिव है। सभी गेंदबाज विकेट निकाल रहे हैं। ऐसे में अवेश खान को भी लौटने को बोल दिया गया है। शुभमन और अवेश ट्रेविलंग रिजर्व के तौर पर टीम इंडिया के साथ गए थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बुधवार को दोनों खिलाड़ी टीम के साथ चार्टर्ड फ्लाइट से न्यूयॉर्क से फोर्ट लॉडरडेल तक उड़ान भरते नजर आए। जैसे ही यूएसए चरण समाप्त होगा, दोनों को भारत वापस भेज दिया जाएगा। टीम के साथ रिंकू सिंह और खलील अहमद भी बतौर ट्रेवल रिजर्व हैं, लेकिन उन्हें वहीं रोका गया है। बीसीसीआई का शुभमन को लेकर यह कदम इसलिए भी सही है क्योंकि गिल के लिए टीम में जगह नहीं बन रही है। ओपनिंग का पहला विकल्प यशस्वी जायसवाल है। अगर रोहित या विराट में से कोई जख्मी होता है तो जायसवाल उसे संभालने के लिए मौके पर मौजूद होंगे। इसी तरह अवेख खान की भी प्लेइंग 11 में जगह बनती नहीं दिख रही है। टीम में फिलहाल मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह हैं। अगर इनमें से कोई जख्मी होता है तो एक विकल्प खलील अहमद के तौर पर मौजूद है।

भारत 12 जून को यूएसए पर जीत के साथ मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 चरण में पहुंच गया है। वे अपना पहला सुपर 8 गेम 20 जून को खेलेंगे। टीम इंडिया के सुपर 8 में संभावित मुकाबले 20 जून को बनाम अफगानिस्तान, 22 जून को बनाम बांग्लादेश और 24 जून को बनाम ऑस्ट्रेलिया बन रहे हैं। अगर भारत सेमीफाइनल में पहुंचता है, तो वे 27 जून को जॉर्जटाउन, गुयाना में खेलेंगे। जबकि टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 29 जून को ब्रिजटाउन में निश्चित है।

भारत की दिव्या देशमुख बनी विश्व जूनियर चैम्पियन , 15 साल का सूखा किया खत्म

गांधीनगर , गुजरात भारत की नंबर चार महिला शतरंज खिलाड़ी 19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने अपने खेल जीवन की एक बड़ी उपलड़ी हासिल करते हुए विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप (बालिका) का खिताब अपने नाम कर लिया है । अंतिम राउंड में दिव्या नें बुल्गेरिया की क्रास्तेवा बेलोस्लावा को पराजित करते हुए देश के विश्व जूनियर खिताब के 15 साल के सूखे को खत्म कर दिया है । दिव्या से पहले भारत की कोनेरु हम्पी नें एथेंस ग्रीस 2001 में , हरिका द्रोणावल्ली नें 2008 भारत में और सौम्या स्वामीनाथन नें 2009 में अर्जेन्टीना में यह खिताब हासिल किया था और तब से भारत से यह खिताब दूर था और अब दिव्या ऐसा करने वाली भारत की चौंथी खिलाड़ी बन गयी है । दिव्या कुल 10 अंक बनाकर स्वर्ण पदक और विश्व खिताब जीतने में सफल रही तो अंतिम राउंड में भारत की रक्षिता रवि को पराजित करते हुए अर्मेनिया की मरियम एम 9.5 अंक बनाकर रजत पदक जीता । जबकि फीडे की ओर से खेल रही नॉर्मन क्सेनिया को मात देकर अजरबैजान की अयान अल्लाहवेर्दिएवा नें 8.5 अंक बनाकर कांस्य पदक अपने नाम किया । अन्य भारतीय खिलाड़ियों में शुभी गुप्ता 8 अंक , रक्षिता रवि 7.5 अंक , रौंधिया वी 7.5 अंक , मृदुल देहांकर 7.5 अंक शीर्ष 10 में जगह बनाने में कामयाब रही । बालक वर्ग में कजाकिस्तान के कायबेक नोगेरबेक 8.5 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर विजेता रहे जबकि अर्मेनिया के एमिन ओहनयन उपविजेता रहे जबकि सर्बिया के लूका बुड़ीसावलजेवीक 8 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर कांस्य पदक जीतने में कामयाब रहे , भारतीय खिलाड़ियों में प्रणव आनंद दसवें , सामंत आदित्य ग्यारवें और अनुज श्रीवात्रि बारहवें स्थान पर रहे ।

अर्धशतक लगाते ही शाकिब घमंड में आकर बोले कौन सहवाग ?

किंग्सटाउन (एजेंसी)। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन टी20 विश्वकप में नीदरलैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाने के बाद इस कदर घमंड में आ गये कि उन्होंने वीरेंद्र सहवाग को ही पहचानने से इंकार कर दिया। डच टीम के खिलाफ 64 रन बनाने वाले शाकिब से जब सहवाग का नाम लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने उल्टा पूछ लिया किस सवाग की बात कर रहे हैं। इसके बाद उन्हें प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया। शाकिब ने सहवाग पर यह प्रतिक्रिया बांग्लादेश-दक्षिण अफ्रीका मैच के कॉमेंट को लेकर दी है। इसमें बांग्लादेश को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच के बाद सहवाग ने शाकिब अल हसन को आड़े हाथों लिया था।

सहवाग ने कहा था, 'मुझे तो ऐसा लगा कि उन्हें विश्व कप के लिए टीम में चुनना ही नहीं चाहिए था बल्कि उन्हें अब तक रिटायर हो जाना चाहिए था। आप इतने सीनियर खिलाड़ी हैं। टीम के कप्तान भी रहे हैं। आपको अपने प्रदर्शन पर शर्म आनी चाहिए। अगर आपको अनुभव के लिए विश्व कप टीम में चुना जाता है, तो ये साबित करें कि ये सही फैसला था।' शाकिब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4 गेंद पर 3 रन बनाकर आउट हो गए थे।

शाकिब को सहवाग के इस कमेंट का जवाब देने का मौका नीदरलैंड के खिलाफ 46 गेंद पर 64 रन की पारी खेलने पर मिल गया था। इसके बाद जब शाकिब से पूछा गया कि आपके पिछले प्रदर्शन के लिए काफी आलोचना हुई है और सहवाग ने भी सवाल उठाए थे। तब शाकिब कहते हैं कौन सहवाग पर बाद में अपनी बात को संभालने का प्रयास करते हुए कहते हैं कि जब आप मैदान पर उतरते हैं तो किसी को जवाब देने के लिए ऐसा नहीं करते।

इंग्लैंड ने ओमान को 19 गेंदों में ही हराया, सबसे कम गेंदों में जीत का रिकार्ड बनाया

एंटीगुआ। इंग्लैंड ने टी20 विश्वकप में ओमान को 19 गेंदों पर ही हराकर अब तक के सारे रिकार्ड तोड़ दिये हैं। इस प्रकार सबसे कम गेंदों में जीत दर्ज करने का रिकार्ड किसी अन्य टीम के पास नहीं है। इंग्लैंड ने इस मैच में ओमान को मात्र 47 रन पर आउट करने के बाद 101 गेंद पहले ही मैच जीत लिया। यह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में गेंद बाकी रहने के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले यह रिकॉर्ड श्रीलंकाई टीम ने साल 2014 में नीदरलैंड को 90गेंद पहले ही हार दिया था। इंग्लैंड की इस जीत के साथ ही टी20 विश्वक कप के सुपर-8 में पहुंचने की उसकी उम्मीदें और बढ़ गयी हैं। इंग्लैंड की टीम के अब 3 अंक हो गये हैं और वह ग्रुप बी में 3 अंक लेकर तीसरे नंबर पर आ गई है। अभी इंग्लैंड से ज्यादा अंक ऑस्ट्रेलिया 6 और स्कॉटलैंड 5 के ही हैं. वहीं नामीबिया 2 अंक के साथ चौथे नंबर पर है। सुपर-8 की रेस में बने रहने के लिए इंग्लैंड को बड़े अंतर से जीत की जरुरत थी जो उसकी टीम ने हासिल कर लिया है। इस मैच के बाद वह रनरेट के मामले में स्कॉटलैंड से आगे निकल गयी है। उसने ओमान को केवल 13.2 ओवर में 47 रन पर आउट करने के बाद 3.1 ओवर में 2 विकेट खोकर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ ही उसके अंकतालिका में 3 अंक हो गए हैं. इंग्लैंड (3.081) का नेट रनरेट भी अब स्कॉटलैंड (2.164) से बेहतर है.

अफगानिस्तान टी20 विश्व कप जीतने का शीर्ष दावेदार : मोहम्मद कैफ

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में अफगानिस्तान की टीम टी20 विश्व कप जीतने की हकदार बनती जा रही है। राशिद खान की कप्तानी में अफगानिस्तान टीम ने अब तक 3 मुकाबले जीते हैं और सुपर-8 में जगह बना वाली है। अफगानिस्तानी की ओर से बल्ले से रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान जबकि फजलहक फारूकी गेंद से शानदार रहे हैं। फारूकी तो 3 मैचों में ही 12 विकेट ले चुके हैं। बहरहाल, कैफ ने एक शो के दौरान कहा कि अफगानिस्तान अच्छी फॉर्म में है और मौजूदा परिस्थितियों में उसे हराना कठिन होगा। इसकी एक वजह यह भी है कि उन्होंने वेस्टइंडीज में दो से तीन सप्ताह से अधिक समय बिताया है जिस वजह से उन्हें इस सतह का अंदाजा हो गया है। वह बाकी मैचों में भी इसका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

कैफ ने कहा कि अफगानिस्तान अच्छी फॉर्म में है। उनकी गेंदबाजी फॉर्म में है, जहां फजलहक फारूकी ने 5 विकेट भी लिए हैं और राशिद खान फॉर्म में हैं। अगर दोनों सलामी बल्लेबाजों रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान की बात करें तो वे शानदार फॉर्म में हैं। अफगानिस्तान इन परिस्थितियों में विश्व कप जीतने का शीर्ष दावेदार है। वे अपने सभी मैच यहीं (वेस्टइंडीज में) खेल रहे हैं। वे अमेरिका गए ही नहीं। वहां 2 या 3 सप्ताह बिताने से उन्हें पता चल जाता है कि किस पिच पर कैसे गेंदबाजी और बल्लेबाजी करनी है। उन्हें परिस्थितियों का अंदाजा हो गया है और उनके खिलाड़ी फॉर्म में हैं।

बता दें कि अफगानिस्तान अपना अंतिम लीग मैच 17 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगा। अगर वह जीत गया तो ग्रुप में टॉप पर आ जाएगा। टीम कप्तान राशिद खान भी परफार्मेंस से काफी खुश हैं। उन्होंने पापुआ न्यू गिनी पर जीत के बाद कहा था कि यहां आने से पहले हमारी एक घरेलू प्रतियोगिता थी और सभी फॉर्म में हैं। यह फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने की खूबसूरती है क्योंकि आप परिस्थितियों को जानते हैं, उनमें से कुछ ने सेंट लूसिया में खेला है और जानते हैं कि पिच कैसा खेलेगी जिससे दूसरों को मदद मिलेगी। राशिद ने मैच के बाद की प्रस्तुति में कहा था कि हर किसी के पास किसी भी स्थिति से तालमेल बिठाने का कौशल है और उम्मीद है कि हम वह गेम (वेस्टइंडीज के खिलाफ) भी जीतेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लू के थपेड़ों से बचायें पशुओं को

मौसम के प्रभाव का पशुओं की दिनचर्या से सीधा संबंध है. मौसम की विभिन्नता, इसके बदलाव की स्थिति में पशु के लिए विशेष प्रबंध करने के प्रयासों की आवश्यकता रहती है। हमारी भौगोलिक स्थिति के अनुसार मौसम में काफी विविधताएं हैं, वहीं देश के पश्चिम भाग में गर्मी काफी तेज पड़ती है। जरा सी लापरवाही से किसानों को पशुधन की क्षति हो सकती है।

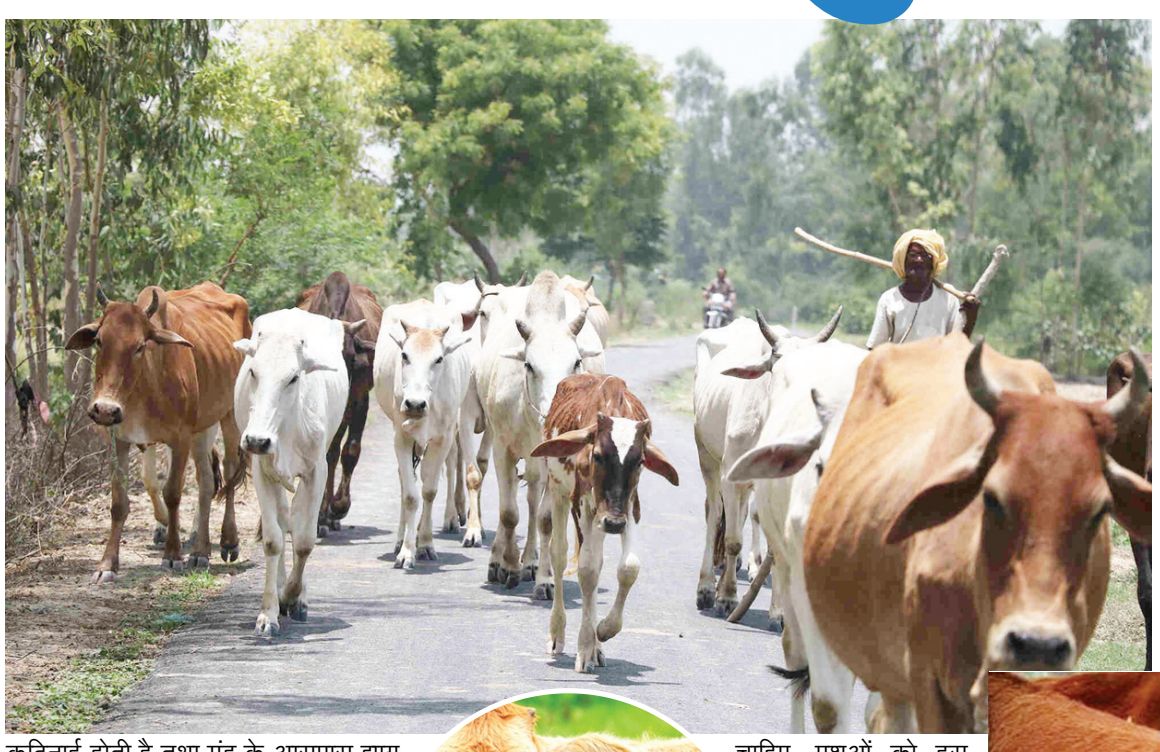

अधिक गर्म समय में पशु के शारीरिक तंत्र में व्यवधान आ जाता है, जिसके कारण गर्मी पशु के शरीर में इकट्ठा हो जाती है तथा सामान्य प्रक्रिया के माध्यम से वह बाहर नहीं निकलती है, जिसकी वजह से पशु को तेज बुखार आ जाता है और बेचैनी बढ़ जाती है. यही रोग पशु में लू लग जाना कहलाता है. यह रोग अधिक गर्म मौसम जब वातावरण में नमी और ठंडक की कमी आ जाती है तथा तेज गर्म हवाएं चलती हैं, पशु आवास में स्वच्छ वायु नहीं आने के कारण होता है। कम स्थान में अधिक पशु रखने तथा अधिक मेहनत करने से उत्पन्न होने वाली गर्मी से भी यह रोग होता है। गर्मी के मौसम में पशु को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पिलाना मुख्य कारण माना जाता है. रेगिस्तानी क्षेत्र में तेज लू व सूखी गर्मी पड़ने के कारण वहां पशुओं की ज्यादा हानि होती है।

लू के लक्षण

पशु को लू लगने पर 106 से 108 डिग्री फेरनहाइट तेज बुखार होता है सुस्त होकर खाना–पीना छोड़ देता है, मुंह से जीभ बाहर निकलती है तथा सही तरह से सांस लेने में कठिनाई होती है तथा मुंह के आसपास झाग आ जाता है. लू लगने पर आंख व नाक लाल हो जाती है. प्रायः पशु की नाक से खून आना प्रारंभ हो जाता है जिसे हम नक्सीर आने पर पशु के हृदय की धड़कन तेज हो जाती है और श्वास कमजोर पड़ जाती है जिससे पशु चक्कर खाकर गिर जाता है तथा बेहोशी की हालत में ही मर जाता है.

उपचार

इस रोग से पशुओं को बचाने के लिये कुछ सावधानियां बरतनी चाहिये. पशु आवास में स्वच्छ वायु जाने एवं दूषित वायु बाहर निकलने के लिये रोशनदान होना चाहिए. तथा गर्म दिनों में पशु को दिन में नहलाना चाहिए खासतौर पर भैंसों को ठंडे पानी से नहलाना चाहिए. पशु को ठंडा पानी पर्याप्त पिलाना चाहिए। संकर नस्ल के पशु जिनको अधिक गर्मी सहन नहीं होती है उनके आवास में पंखे या कूलर लगाना चाहिए. पशुओं को इस रोग से बचाने में उसके आवास के पास लगे पेड़–पौधे बहुत सहायक होते हैं। लू लगने पर पशु के शरीर में पानी की कमी हो जाती है, इसकी पूर्ति के लिये पशु को ग्लूकोज की बोतल ड्रिप चढ़वानी चाहिए तथा बुखार को कम करने व नक्सीर के उपचार की विस्तार से जानकारी लेने व चिकित्सा के लिए तुरन्त पशु चिकित्सक से सलाह लें।

पानी व्यवस्था

इस मौसम में पशुओं को भूख कम लगती है और प्यास

पशु आहार

गर्मी के मौसम में दुग्ध उत्पादन एवं पशु की शारीरिक क्षमता बनाये रखने की दृष्टि से पशु आहार का भी महत्वपूर्ण योगदान है. गर्मी के मौसम में पशुओं को हरे चारे की अधिक मात्रा उपलब्ध कराना चाहिए. इसके दो लाभ हैं, एक पशु अधिक चाव से स्वादिष्ट एवं पौष्टिक चारा खाकर अपनी उदरपूर्ति करता है, तथा दूसरा हरे चारे में 70–90 प्रतिशत तक पानी की मात्रा होती है, जो समय–समय पर जल की पूर्ति करता है. प्रायः गर्मी में मौसम में हरे चारे का अभाव रहता है. इसलिए पशुपालक को चाहिए कि गर्मी के मौसम में हरे चारे के लिए मार्च, अप्रैल माह में मूंग , मक्का, काऊपी, बरबटी आदि की बुवाई कर दें जिससे गर्मी के मौसम में पशुओं को हरा चारा उपलब्ध हो सके. ऐसे पशुपालन जिनके पास सिंचित भूमि नहीं है, उन्हें समय से पहले हरी घास काटकर एवं सुखाकर तैयार कर लेना चाहिए. यह घास प्रोटीन युक्त, हल्की व पौष्टिक होती है.

अधिक. पशुपालको पशुओं को पर्याप्त मात्रा में दिन में कम से कम तीन बार पानी पिलाना चाहिए. जिससे शरीर के तापक्रम को नियंत्रित करने में मदद मिलती है. इसके अलावा पशु को पानी में थोड़ी मात्रा में नमक एवं आटा मिलाकर पानी पिलाना चाहिए।

सोयाबीन की कृषि कार्यमाला

बीजोपचार

बीज को फफूंदनाशक दवा थायरम 75 डब्ल्यू.पी. एवं कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू.पी. दवा को 2:1 के अनुपात में मिलाकर 3 ग्राम दवा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें या थायरम 37 प्रतिशत + कार्बाक्सिन 37 प्रतिशत, 2 ग्राम दवा प्रति किलो बीज की दर से या ट्राइकोडर्मा नामक जैविक फफूंदनाशक की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर सकते हैं।

उर्वरक एवं खाद

सामान्यतः 40 कि.ग्रा. यूरिया, 375 कि.ग्रा. फास्फोरस एवं 70 कि.ग्रा. पोटाश की मात्रा का उपयोग करें।

बुवाई का तरीका

कतार से कतार की दूरी 45 से.मी. हो । कम ऊंचाई वाली जातियों या कम फैलने वाली जातियों को 30 से.मी. की कतार से कतार की दूरी पर बोयें। बुवाई का कार्य दुफन, तिफन या सीडड्रिल से ही करें।

मेढ़– नाली विधि एवं चौड़ी पट्टी–नाली विधि से बुवाई करने से सोयाबीन की पैदावार में वृद्धि पायी गयी है। एवं नमी संरक्षण तथा जल निकास में भी प्रभावी पायी गयी है।

अधिक फैलने वाली जातियों की 3 से 4 लाख के आसपास पौध संख्या एवं कम फैलने वाली जातियों की 4 से 6 लाख पौध संख्या प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होती है।

सामान्य तरीके से बुवाई के बाद 20–20 मीटर की दूरी पर ढाल के अनुरूप जल निकास नालियाँ अवश्य बनायें, जिससे अधिक वर्षा की स्थिति में जल भराव की स्थिति पैदा न हो। मेढ़–नाली विधि एवं चौड़ी पट्टी–नाली विधि की बुवाई, जल निकास में भी प्रभावी पायी गयी हैं।

लाभकारी अंतरवर्तीय फसलें

सोयाबीन+मक्का (चार कतारः दो कतार)
या सोयाबीन+अरहर (चार कतार : दो कतार)
या सोयाबीन+ज्वार (चार कतार : दो कतार)
या सोयाबीन + कपास (चार कतार : एक कतार)

लाभकारी फसल चक्र

सोयाबीन गेहूं, सोयाबीन–अलसी, सोयाबीन – चना, सोयाबीन – आर्किल मटर

कटाई,गहाई एवं भंडारण

फसल की कटाई तब करें जब 95 प्रतिशत फलियां भूरी पड़ जायें और पत्तियाँ झड़ जायें।

खरपतवार नियंत्रण

20–25 दिन में फसल से खरपतवार निकाल दें। मजदूरों द्वारा हाथ से निंदाई करवाने के परिणाम अच्छे मिले हैं। परंतु मजदूरों की कमी, वर्षा का अंतराल एवं जमीन की स्थिति से हाथ की निंदाई खरीफ मौसम में कभी–कभी कठिन हो जाती है अतः यांत्रिक विधियों में सी.आई.ए.ई. भोपाल द्वारा निर्मित उन्नत हैंड हो या बैलों से चलने वाला कुल्पा या डोरा से भी नींदा नियंत्रण कर सकते हैं। आवश्यकतानुसार रसायनिक नींदानाशकों का उपयोग भी करें।

खरपतवारों से सुरक्षा

बोनी से पूर्व

फ्लूक्लोरोलिन 45 ई.सी.की 1–1.5 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव प्रति हे. बोनी से पूर्व नम मिट्टी में छिड़क दें।

बोनी से बाद अंकुरण से पूर्व

डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू. डी.जी. 22 ग्रा. क्रियाशील अवयव प्रति हे. या एलाक्लोर 50 ई.सी.का 2 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या पेन्डिमिथालिन ई.सी. 1 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या एसिटाक्लोर 90 ई.सी. 2 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या मेटलाक्लोर 50 ई.सी. 1 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या क्लोमेजोन 50 ई.सी. 1 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव, प्रति हे. के हिसाब से बोनी के बाद एवं अंकुरण के पूर्व छिड़काव करने से खरपतवार नियंत्रण सफलतापूर्वक किया जा सकता है।

बोनी के बाद

सोयाबीन की बोनी के 15–20 दिन के बीच खड़ी फसल में इमेजाथायपर नामक दवा का 75 ग्राम क्रियाशील अवयव प्रति हे. छिड़कने से सभी प्रकार के खरपतवार का नियंत्रण सफलतापूर्वक किया जा सकता है। जहां पर केवल संकरी पत्ती के नींदा हों वहां क्विजालोफाप इथिल 50 ग्राम क्रियाशील अवयव या फेनोक्साप्राप 10 ई.सी. 75 ग्राम क्रियाशील अवयव प्रति हेक्टेयर का छिड़काव करें। इन दवाओं को 500–700 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव स्प्रेयर में फ्लड जेट नॉजल या फ्लैट फैन नॉजल लगाकर करें। भूमि में नमी रहने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

मक्का पहुंचे हज यात्री... वार्षिक हज यात्रा शुरु, क्या टूटेगा 2019 का रिकॉर्ड

रियाद । मक्का में मुस्लिम तीर्थयात्री रेगिस्तान में एक विशाल तम्बू शिविर में शुक्रवार को एकत्र हुए और आधिकारिक तौर पर वार्षिक हज यात्रा की शुरुआत की। अपनी यात्रा से पहले उन्होंने इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल ग्रैंड मस्जिद में घन के आकार के काबा की परिक्रमा की। हज के लिए दुनिया भर से 1.5 मिलियन से अधिक तीर्थयात्री पहले ही मक्का में और उसके आसपास एकत्र हो चुके हैं, सऊदी अरब के अंदर से अधिक तीर्थयात्रियों के शामिल होने से यह संख्या अभी भी बढ़ रही है। सऊदी अधिकारियों को उम्मीद है कि इस साल तीर्थयात्रियों की संख्या 2 मिलियन से अधिक होगी। इस साल का हज गाजा पट्टी में इजरायल और फिलिस्तीनी आतंकवादियों के बीच भीषण युद्ध की पृष्ठभूमि में आया, जिसने पूरे मध्य पूर्व को एक ओर इजरायल और उसके सहयोगियों और दूसरी ओर ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों के बीच क्षेत्रीय युद्ध के कगार पर धकेल दिया। फिलिस्तीनी अधिकारियों ने कहा कि कब्जे वाले वेस्ट बैंक से 4,200 तीर्थयात्री हज के लिए मक्का पहुंचे। सऊदी अधिकारियों ने कहा कि गाजा में युद्ध में मारे गए या घायल हुए फिलिस्तीनियों के परिवारों से 1,000 अन्य लोग भी सऊदी अरब के राजा सलमान के निमंत्रण पर हज करने के लिए पहुंचे।

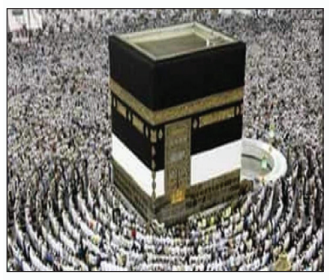

हूती विद्रोहियों के हमले में मर्चेंट नेवी का एक सदस्य घायल, जहाज भी डेमेज

-यूरोपीय संघ ने मालवाहक जहाजों की सुरक्षा के लिए सैन्य अभियान चलाया

वाशिंगटन। अदन की खाड़ी में एक मालवाहक जहाज पर मौजूद मर्चेंट नेवी का एक सदस्य हूती विद्रोहियों के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया है। हमले में जहाज को भी नुकसान पहुंचा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अदन की खाड़ी में एक मालवाहक जहाज पर मौजूद मर्चेंट नेवी का एक सदस्य हूती विद्रोहियों के हमले में घायल हो गया है उसे इलाज के लिए पास के जहाज में भेज दिया है। घायल कर्मचारी किस देश का है यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। हूती विद्रोहियों द्वारा किया गया यह व्यवहार क्षेत्रीय स्थिरता, लाल सागर और अदन की खाड़ी में नाविकों के जीवन को खतरे में डालता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पलाऊ देश के ध्वज वाहक यूक्रेनी-स्वामित्व वाले और पोलैंड-संचालित बल्क कार्गो वाहक पर दो क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया जिससे उसमें आग लग गई। चालक दल आग बुझाने में लगे हैं। बताया जा रहा है कि एमवी वर्बेना नामक जहाज लकड़ी की निर्माण सामग्रियां लेकर मलेशिया से इटली जा रहा था। बता दें अक्टूबर 2023 में गाजा युद्ध की शुरुआत के बाद से हूती विद्रोहियों ने लाल सागर और आस-पास की अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाजों पर बार-बार हमले किए हैं। अदन की खाड़ी एक महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग है जो स्वेज नहर के जरिए से भूमध्य सागर से जुड़ता है। हूती विद्रोहियों का कहना है कि इन हमलों का उद्देश्य फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास को समर्थन देना है ताकि मालवाहक जहाजों का इजरायल पहुंचना मुश्किल हो। जवाबी कार्रवाई में अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में हूती ठिकानों पर कई सैन्य हमले किए। यूरोपीय संघ ने भी लाल सागर में मालवाहक जहाजों की सुरक्षा के लिए सैन्य अभियान चलाया है।

न्यायाधीश ने पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई पर लगाया आरोप

लाहौर । जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाले न्यायाधीश ने आईएसआई पर अपने पक्ष में फैसले कराने के मकसद से उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान करने का आरोप लगाया है। आतंकवाद रोधी अदालत (सरगोधा) के न्यायाधीश मोहम्मद अब्बास ने लाहौर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मलिक शहजाद अहमद खान को एक पत्र लिखकर बताया है कि किस तरह खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के अधिकारियों ने उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान किया है। न्यायाधीश संसद में नेता प्रतिपक्ष उमर अयूब और इमरान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ पिछले साल मई में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रहे हैं। अयूब ने आरोप लगाया था कि पिछले सप्ताह सरगोधा एटीसी में एक मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश अब्बास को खुफिया एजेंसियों ने बंधक बना लिया था। मार्च में, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के छह न्यायाधीशों ने सर्वोच्च न्यायिक परिषद (एसजेसी) को न्यायिक मामलों में खुफिया एजेंसियों के कथित हस्तक्षेप की जानकारी दी थी।

नेपाल में ठगी मामले में दो भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू । नेपाल में दो भारतीयों को नकली सोने के द्वारा लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यूपी निवासी 71 वर्षीय प्रभा देवी और 42 वर्षीय रामनारायण सुलेंगी को एक स्थानीय व्यापारी से 4,00,000 रुपये लेकर कारोबारी को नकली सोने का हार देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। घटना के तुरंत बाद उन्हें एक वाहन से भारत की ओर जाते समय लेखनाथ नगर पालिका से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से तीन लाख 90 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं।

स्पेस एक्स में खलबली : एलन मस्क पर लगे यौन शोषण के आरोप,8 इंजीनियरों ने कराया मामला दर्ज

वॉशिंगटन। स्पेस एक्स के सीईओ और दुनिया के जानेमाने टेक्नोक्रेट एलन मस्क एक और गंभीर विवाद में घिर गए हैं। उनके खिलाफ स्पेस एक्स के 8 पूर्व इंजीनियर्स ने मुकदमा फाइल कर बहुत ही गंभीर आरोप लगाए हैं। केस दर्ज कराने वाले 8 पूर्व इंजीनियर्स में 4 पुरुष और 4 महिलाएं शामिल हैं। मस्क पर सेक्सुअल हैरेसमेंट और बदले की भावना के साथ काम करने का आरोप लगाया है। स्पेस एक्स और एलन मस्क के वकीलों ने मीडिया रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है। दोनों पक्षों की ओर से दावा किया गया है कि इसमें दी गई जानकारी सही नहीं है। स्पेसएक्स की अध्यक्ष और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर ग्वेने शॉटवेल ने कहा, 'आपके ईमेल में मौजूद असत्य, गलत चरित्र-चित्रण और एडिटेड हिस्ट्री पूरी तरह से भ्रामक कहानी को पेश कर रहे हैं। मैं इससे हैरत में हूं और एलन मस्क उन अच्छे इंसानों में से एक है जिन्हें मैं जानती हूं। मस्?क के खिलाफ अमेरिका के लेबर डिपार्टमेंट के समक्ष केस दर्ज कराया गया है। केस में स्पेस एक्स को भी आरोपी बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो स्पेस एक्स के इन 8 पूर्व इंजीनियर्स ने साल 2022 में ओपन लेटर लिखकर मस्?क के आपत्तिजनक व्यवहार पर सहयोगियों को जानकारी दी गई थी। आरोप है कि इसके बाद मस्क ने बदले की भावना के तहत कार्रवाई करते हुए इन सभी को कंपनी से निकाल दिया था। स्पेस एक्स की एक फ्लाइट अटेंडेंट ने आरोप लगाया था कि मस्क ने साल 2016 में शारीरिक संबंध बनाने के बदले में उनके लिए एक घोड़ा खरीदने की पेशकश की थी। एक अन्य महिला कर्मचारी ने (जिन्होंने 2013 में स्पेसएक्स से इस्तीफा दे दिया था) आरोप लगाया कि मस्क ने कई मौकों पर उनसे अपने बच्चे पैदा करने के लिए कहा था। आरोप है कि मस्क ने कथित तौर पर कहा था कि दुनिया कम जनसंख्या के संकट का सामना कर रही है और हाई आईक्यू वाले लोगों को बच्चे पैदा करने चाहिए। स्पेस एक्स में काम करने वाली एक महिला को एलन मस्क की ओर से रात में उनके घर आने के लिए बार-बार इनवाइट किया गया था। एलन मस्क पर एक इंटर्न समेत दो महिला कर्मचारियों के साथ शारीरिक संबंध बनाने का आरोप है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क ने एक इंटर्न समेत अपने दो कर्मचारियों के साथ शारीरिक संबंध बनाया था। साथ ही मस्क पर एक अन्य कर्मचारी से अपने बच्चे पैदा करने के लिए कहने का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मस्क ने अपनी कंपनियों- स्पेसएक्स और टेस्ला दोनों में एक संस्कृति बनाई - जिससे महिला कर्मचारी असहज हो गईं। इससे पहले भी एलन मस्क पर कई आरोप लगे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एलन मस्क पर पहले भी बोर्ड के सदस्यों के साथ काम पर नियमित रूप से एलएसडी, कोकीन, एक्स्टसी, मशरूम और केटामाइन जैसी दवाओं का सेवन करने का आरोप लगाया गया है।

बुखारेस्ट में रोमानियाई सैनिक हीरोज डे को लेकर टार्च जलाकर खुशी व्यक्त करते हुए।

इजरायल और हमास जंग के रुकने के अभी कोई असार नहीं : बाइडेन

गाजा। पिछले अक्टूबर से इजरायल और हमास के बीच जारी जंग में जल्द युद्ध विराम की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। इजरायली हेलीकॉप्टर गनशिप, अटैक ड्रोन और युद्धक विमानों ने राफा पर हमला किया। जबकि फिलिस्तीनी लड़ाके इजरायली सैनिकों के साथ सड़क पर चल रही लड़ाई में उलझे हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि उन्हें निकट भविष्य में युद्धविराम समझते की उम्मीद नहीं है। सवाल का जवाब देकर कि क्या जल्द ही कोई युद्धविराम हो जाएगा, बाइडेन ने कहा कि नहीं, और कहा कि 'मैंने उम्मीद नहीं खोई है। वहीं उत्तरी गाजा शहर में आवासीय भवनों पर इजरायली हवाई हमलों के बाद कम से कम 14 फिलिस्तीनी मारे गए। जबकि हिजबुल्लाह ने इजरायल के उत्तर में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर एक बड़ा ड्रोन और रॉकेट हमला किया। इजरायली बलों ने दक्षिणी लेबनान में घातक बमबारी के साथ जवाब दिया। अब सीमा पर संघर्षों के पूरी तरह जंग में बदलने की आशंका बढ़ गई है। कबातिया में इजरायली सेना के हमले में 3 लोगों की मौत के बाद फिलिस्तीनियों ने विद्रोह किया। इजरायली सेना के पश्चिमी तट के कबातिया शहर पर हमला करने और एक घर पर कंधे से दागी जाने वाली मिसाइलों से हमला करने के बाद तीन फिलिस्तीनियों के मारे जाने के बाद नागरिकों के विद्रोह के नजारे देखने को मिले। इसके बाद इजरायली सेना के बुलडोजर ने इमारत के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया।

ब्रिटेन में पहली बार जारी हुआ हिंदू घोषणापत्र... शुरु हुआ विरोध

लंदन (एजेंसी)। आगामी जुलाई माह में ब्रिटेन में होने वाले आम चुनाव पर भारत के लोगों की नजर है। वहां रहने वाला हिंदू समाज चुनाव में अपनी प्रभावी भूमिका निभाने की तैयारी में है। पहली बार चुनाव से ठीक पहले हिंदू घोषणापत्र जारी किया गया है।

इसका कारण खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हिंदू मंदिरों तथा हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं का बढ़ना है। ब्रिटेन में सिख व मुस्लिम समाज का घोषणापत्र आता रहा है, लेकिन पहली बार है जब हिंदू समाज के लोग भी अपना घोषणापत्र लाए हैं।

सात सूत्रीय घोषणापत्र में प्रमुख रूप से हिंदू विरोधी नफरत को धार्मिक घृणा अपराध के रूप में मान्यता देना, उसमें शामिल संगठनों और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाना, हिंदू मूल्यों को स्वीकार करना और उसकी रक्षा करने के साथ हिंदू पूजा स्थलों की रक्षा करना शामिल है। मामले से जुड़े व्यक्ति के अनुसार, हमने अपना घोषणापत्र जारी कर कहा है कि जो प्रत्याशी या दल इस घोषणापत्र को स्वीकार करेगा, उसी को हिंदुओं का वोट मिलेगा।

चार दिन पहले लंदन में आयोजित हार्मोनी कांफ्रेंस में यह घोषणापत्र जारी किया गया है, जिसमें ब्रिटेन में सक्रिय 138 हिंदू धार्मिक व सामाजिक संगठनों के 350 से अधिक लोग शामिल हुए थे, जिसमें बाप्स श्री स्वामीनारायण मंदिर, चिन्मय मिशन, हिंदू स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, हिंदू मंदिर नेटवर्क व हिंदू काउंसिल ऑफ यूके जैसी प्रमुख संस्थाओं के लोग शामिल थे। जानकारों के अनुसार, ब्रिटेन की जनसंख्या में हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले लोगों की संख्या करीब 1.7 प्रतिशत है।

क्यों करनी पड़ी ये मांगें

बीते कुछ समय में हिंदुओं के साथ कथित तौर पर हेट क्राइम की घटनाएं बढ़ीं। खुद लीडिंग ब्रिटिश थिंक टैंक हेनरी जैक्सन सोसायटी ने पिछले साल दावा किया था कि ब्रिटेन में बसे मुस्लिम स्टूडेंट्स हिंदू धर्म को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां करते और उन्हें कन्वर्ट होने को कहते हैं। इसके लिए देश के हजार से ज्यादा स्कूलों का सर्वेक्षण और लगभग इतने ही पेरेंट्स से बात की गई। वहां रहने वाले करीब 50 प्रतिशत अभिभावकों ने माना कि मजहब के चलते उनके बच्चों को स्कूल में नफरत झेलनी पड़ी। यहां तक कि कई स्कूलों ने भी अपनी अंदरुनी रिपोर्ट में माना कि उनके कैंपस में बीते 5 सालों में हिंदू-विरोधी सोच बढ़ी है।

क्या है मेनिफेस्टो में

- इसमें आने वाली सरकार से 7 मांगें की गई हैं
- हिंदू हेट-क्राइम की घटनाओं को धार्मिक नफरत की तरह पहचानना और इसतरह के लोगों को सजा देना।
-पूजा स्थलों को सुरक्षा देना और मंदिरों के लिए सरकारी फंडिंग।
-हिंदुओं की मान्यताओं-आस्थाओं को आने वाली पीढ़ी तक ले जाने के लिए फेथ स्कूल्स तैयार करवाना।
-सरकार और सार्वजनिक स्थलों पर हिंदुओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना।
-पुजारियों से जुड़े वीजा के मामलों को सुलझाना।
-सामाजिक सेवाओं में हिंदुओं को शामिल करना।
-धार्मिक मान्यताओं को पहचानना और उन्हें प्रोटेक्ट करना।

होने लगा मेनिफेस्टो का विरोध

हालांकि घोषणापत्र रिलीज होने के साथ ही वहां के कैंपेनिंग संस्थान नेशनल सेकुलर सोसायटी ने दस्तावेजों की आलोचना करते हुए कहा कि आने वाली सरकार को इन्हें सिरे से रिजेक्ट कर देना चाहिए।

जी7 की बैठक के दौरान लड़खड़ाए जो बाइडेन, जियोर्जिया पीएम ने संभाला

- वीडियो वायरल, यूजर कर रहे कमेंट डीयर गॉड, कृपया अमेरिका की मदद करें

रोम । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन जी7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली में हैं। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में बाइडेन को लड़खड़ाए हुए देखा जा सकता है, जिन्हें बाद में इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी संभालती दिखती हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले इस तरह के वीडियो बाइडेन और उनकी पार्टी के लिए परेशानी बढ़ा सकती है। वीडियो में जो बाइडेन को जी-7 के नेताओं से दूर जाते हुए देखा जा सकता है।

वीडियो में मेलोनी और जो बाइडेन के अलावा ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक, कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और कई प्रमुख नेता दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, राष्ट्रपति बाइडेन जी7 शिखर सम्मेलन में लड़खड़ा गए और उन्हें वापस लाने उन्हें संभालना पड़ा।

सोशल मीडिया पर कई लोगों ने बाइडेन के इस व्यवहार पर चिंता जताई है। एक यूजर ने लिखा, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि उन्होंने विश्व नेताओं के सामने

क्या किया है? कितनी शर्म की बात है। एक ने लिखा, डीयर गॉड, कृपया अमेरिका की मदद करें। हम एक धागे से लटके हुए हैं। वे हमें कब तक हमें शर्मिंदा करते रहेंगे? एक दूसरे यूजर ने लिखा, मुझे नहीं लगता कि उनके चुनाव लड़ने की कोई संभावना रह गई है। डेमोक्रेट्स बुरी स्थिति में हैं। वे इसके लिए किसी और को नहीं बल्कि खुद को ही दोषी ठहरा सकते हैं।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 81 के हो गए हैं। उनकी सेहत को लेकर चर्चा होती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि वह फिर एकबार राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार बन पाते हैं या नहीं। इससे पहले जो बाइडेन ने गुरुवार को जी7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी द्वारा स्वागत किए जाने के दौरान अजीब तरीके से उन्हें सलामी दी। बाइडेन के इस इशारे को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खूब चर्चा हो रही है।

नमस्ते से नेताओं का स्वागत करने वाली इटली की पीएम मेलोनी की इतनी है सैलरी

रोम (एजेंसी)। इटली में जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले नेताओं का पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने नमस्ते से स्वागत किया। उनका यह अंदाज पूरी दुनिया में वायरल हो गया है। जॉर्जिया मेलोनी इटली की धुर दक्षिणपंथी नेता हैं। 50 साल से भी कम उम्र में उन्होंने इटली की सत्ता संभाल ली। वह यूरोप की सबसे अनुभवी राजनेताओं में से एक हैं।

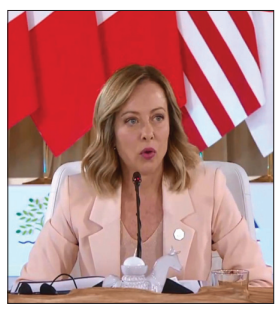

साल 2006 में वे पहली बार सांसद चुनी गईं और उसके बाद कभी भी संसद नहीं छोड़ा। संसद में अपने पहले दो वर्षों में वह चैंबर की उपाध्यक्ष रहीं और 2008 से 2011 तक युवा मंत्री का पद संभाला। मेलोनी हमेशा निचले सदन की सदस्य रही हैं। रिपोर्ट मुताबिक इटली विधायिका के मुताबिक एक सांसद का वेतन 11,703 यूरो (10.47 लाख रुपये) है। टैक्स के बाद उन्हें 5,346.54 यूरो (4.78 लाख रुपये) मिलते हैं। 3721 यूरो (3.33 लाख रुपये) दैनिक भत्ता और 3690 यूरो (3.30 लाख रुपये) की प्रतिपूर्ति होती है। इसके बाद इटली के सांसद 1200 यूरो (1.07 लाख रुपये) प्रति वर्ष टेलीफोन और परिवहन के लिए हर तीन महीने में 3,323-3995 यूरो (2.97-3.57 लाख रुपये) के बीच के हकदार हैं। हालांकि मेलोनी की पार्टी के सांसद अपने वेतन का कुछ हिस्सा पार्टी के खजाने में देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मेलोनी की आय 293,531 यूरो (2.62 करोड़ रुपये) है। यह उनकी आय में 2021 से बढ़ोतरी थी। 2018 में उन्होंने रोम में दो रियल एस्टेट संपत्तियों, एक कार और 20000 यूरो पार्टी के योगदान की बात कही थी। रिपोर्ट के मुताबिक 2006 से जॉर्जिया मेलोनी की सारी कमाई को जोड़ने पर कुल शुद्ध संपत्ति 16 लाख यूरो (14.31 करोड़ रुपये) है।

जी 7 शिखर सम्मेलन: राष्ट्रपति मैक्रॉन के साथ पीएम मोदी की बैठक

-चीन की आक्रामता को लेकर चिंतित जी-7

अपुलिया (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपुलीया में जी7 शिखर सम्मेलन से इतर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। पीएम मोदी की बोर्गो एग्नाज़िया रिसॉर्ट में विश्व के अन्य नेताओं के साथ कई बैठकों की योजना है।

चीन पर जी-7 नेता

जी7 लोकतंत्र रूस की सैन्य कार्रवाइयों के चीन के कथित समर्थन पर साझा प्रतिक्रिया तलाश रहा हैं, जिसके बारे में अमेरिका का कहना है कि इससे यूक्रेन में युद्ध बिगड़ रहा है। वहीं जापानी सरकार के सूत्र ने बताया, जी7 देश इस बात पर सहमत हैं कि चीन से कैसे निपटा जाए। यह बैठक चीन और पश्चिम के बीच व्यापार संबंधों के खराब होने के बीच हो रही है। अमेरिका, जापान और यूरोपीय संघ, जो अनौपचारिक आठवें सदस्य के रूप में जी 7 शिखर सम्मेलन में शामिल होता है, सभी चीन की औद्योगिक अतिक्षमता से चिंतित हैं। उनका कहना है कि बीजिंग की बड़ी सब्सिडी, विशेष रूप से हरित ऊर्जा और सौर पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी प्रौद्योगिकी में, बहुत सस्ते उत्पादों को जन्म देती है जो वैश्विक बाजार में बाढ़ ला देते हैं।

इटली की संसद में क्या हुआ...डर गए जी7 के मेहमान

एक ओर इटली जी7 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर उसके संसद में खूब मारपीट मचा है। इटली की संसद का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इटली की संसद में सांसदों के बीच एक बिल को लेकर जमकर लात-घूंसा चला। संसद के भीतर मारपीट का वीडियो

सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वक्त इटली में जी7 देशों के मेहमानों के साथ-साथ वहां तमाम देशों के मेहमान मौजूद हैं जिन्हें इटली ने जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक इटली के कुछ क्षेत्रों को स्वायत्ता देने से जुड़े एक बिल को लेकर संसद के भीतर विवाद शुरू हुआ था। इस बिल का समर्थन करने वाले विरोधी सांसदों के बीच शुरू हुआ विवाद बाद में मारपीट तक जा पहुंचा।

हर घंटे आएंगे... 53.79 करोड़ रुपये, मस्क का सालाना पैकज इतना बड़ा

- अमेरिका कॉरपोरेट इतिहास में सबसे बड़ा सैलरी पैकेज

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क का सैलरी पैकेज सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। उनका पैकेज इतना बड़ा था कि उस पर अमेरिकी कोर्ट को रोक तक लगानी पड़ी। आखिर 6 साल बाद उन्हें हासिल करने में सफलता मिल ही गई। इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी टेस्?ला के शेयरहोल्डर्स ने मस्क के 56 अरब डॉलर (करीब 4.64 लाख करोड़ रुपये) सालाना के पैकेज को मंजूरी दी है। यह अमेरिका के कॉरपोरेट इतिहास में किसी सीईओ का अब तक का सबसे बड़ा सैलरी पैकेज है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मस्क ने खुद ट्वीट कर शेयरहोल्डर्स को धन्यवाद किया। शेयरहोल्डर्स ने बैठक में पैकेज को मंजूरी दी। वैसे मस्क को साल 2018 में ही इस पैकेज को देने के लिए प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन तब कंपनी के कुछ शेयरहोल्डर्स के विरोध के कारण कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस बार अधिक शेयरहोल्डर्स ने अपनी मंजूरियां दे दी हैं। तब लाए गए पैकेज की आज वैल्यू 56 अरब डॉलर है, क्योंकि 2018 में टेस्ला की मार्केट वैल्यू 59.1 अरब डॉलर थी, जो आज 570 अरब डॉलर हो गई है। मस्क के भारी-भरकम सैलरी पैकेज पर सिर्फ 73 फीसदी शेयरहोल्डर्स ने ही मंजूरियां दी हैं, जबकि अमूमन कॉरपोरेट जगत में इस तरह के पैकेज को 95 फीसदी शेयरहोल्डर्स अपनी मंजूरी देते हैं। हालांकि, बहुमत से पैकेज को हरी झंडी मिल चुकी है।

हेडक्वार्टर डेलवेयर से टेक्सास शिफ्ट करने पर भी मुहर लगा दी है। साथ ही दो बोर्ड मेंबर को री-इलेक्ट करने पर भी मंजूरी दे दी है।

जैसे ही कंपनी के बोर्ड और शेयरहोल्डर्स ने पैकेज को अपनी मंजूरी दी, कुछ शेयरहोल्डर्स जो इसके खिलाफ हैं, कोर्ट पहुंच गए। कोर्ट में फाइल केस में शेयरधारकों ने कहा है कि कंपनी के जिन निदेशकों ने मस्क के पक्ष में वोट किया है, वे उनके करीबी हैं और ज्यादातर शेयरधारकों को पूरे मामले की जानकारी ही नहीं है। इतना ही नहीं शेयरहोल?डर्स को मस?क की हिस?सेदारी पर भी आपत्ति है, जो अभी 20 फीसदी से ज्यादा है। फिलहाल शेयरहोल्डर्स ने जिस पैकेज को मंजूर किया है, इसके तहत मस्क को सालाना 56 अरब डॉलर (करीब 4.64 लाख करोड़ रुपये) मिलने है। इसका मतलब हुआ कि हर महीने की सैलरी 38,733 करोड़ रुपये होगी और रोजाना 1,291 करोड़ रुपये की कमाई। पैकेज के बाद मस्क के खाते में हर घंटे 53.79 करोड़ रुपये आएंगे। इसका मतलब हुआ कि वे 50 से ज?यादा मर्सिडीज कार हर घंटे खरीदने जितनी दौलत कमाएंगे।

डी पुंदेश्वरी को स्पीकर बनाए जाने से टीडीपी और भाजपा भी रहेगी खुश

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद स्पीकर पद पर जेडीयू और टीडीपी की नजर पहले से ही रही है। भीतरखाने से निकलीं खबरों में यही कहा गया कि दोनों ही दल इस पद के लिए अपनी अपनी दावेदारी ठोक रहे हैं। जबकि भाजपा किसी भी सूरत में स्पीकर अपना ही रखना चाहेगी। सियासी कशमकश के बीच किसी का नाम फाइनल नहीं हुआ है। आंध्र प्रदेश की भाजपा अध्यक्ष डी पुंदेश्वरी और ओम विरला जैसे नाम की चर्चा जरुर हो रही है। इसमें पुंदेश्वरी के नाम पर सहमति बनने के ज्यादा चांस हैं। चूंकि पुंदेश्वरी टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडु की साली हैं। ऐसे में उनके नाम का विरोध टीडीपी के लिए काफी कठिन होगा।

सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी स्पीकर पद अपने पास रखेगी और इस रेस में दूसरा नाम आंध्र प्रदेश बीजेपी की अध्यक्ष दुग्गुबति पुरंदेश्वरी का नाम है। पुरंदेश्वरी इस बार राजमुंदरी लोकसभा सीट से चुनाव जीती हैं। सूत्रों के अनुसार पार्टी को लगता है कि अगर पुरंदेश्वरी को स्पीकर बनाया जाता है तो टीडीपी और चंद्रबाबू नायडू इसे लेकर कोई आपत्ति नहीं जताएंगे। लोकसभा चुनाव में राज्य में टीडीपी और जनसेना के साथ बीजेपी के गठबंधन में दुग्गुबति पुरंदेश्वरी ने अहम भूमिका निभाई थी और जनता ने भी गठबंधन पर भरोसा जताया। दुग्गुबति पुरंदेश्वरी पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव की बेटी हैं और चंद्रबाबू नायडू की पत्नी नारा भुवनेश्वरी की बहन हैं। आंध्र प्रदेश बीजेपी चीफ के अलावा वह तीन बार की सांसद हैं। 2004 और 2009 में उन्होंने बापतला और विशाखापट्टनम से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। दुग्गुबति पुरंदेश्वरी को अगर बीजेपी स्पीकर बनाती है तो इसकी संभावना कम है कि चंद्रबाबू नायडू उनका विरोध करें। एक तो वह उनकी रिश्तेदार है। हालांकि, वह कभी भी नायडू की समर्थक नहीं रही हैं, लेकिन लोकसभा और विधानसभा चुनाव में बीजेपी-टीडीपी गठबंधन में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। वहीं, एनटी रामाराव की सरकार के तख्तापलट के समय वह चंद्रबाबू नायडू का साथ दिया था। वहीं दूसरी तरफ 17वीं लोकसभा में ओम बिरला लोकसभा के स्पीकर चुने गए थे। ओम बिरला राजस्थान की कोटा लोकसभा सीट से तीसरी बार चुनाव जीतकर पहुंचे हैं। माना ये भी जा रहा है कि ओम बिरला को दोबारा लोकसभा स्पीकर बनाया जा सकता है। ओम बिरला दलित चेहरा हैं और इस पर किसी भी पार्टी को आपत्ति नहीं होगी। पिछली लोकसभा में ओम बिरला निर्विरोध स्पीकर चुने गए थे। हालांकि, इस बार के समीकरण अलग हैं। बता दें कि नरेंद्र मोदी ने 9 जून यानी रविवार को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ 71 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें 30 कैबिनेट मंत्री, 5 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 36 राज्य मंत्रियों ने शपथ ली है। उल्लेखनीय है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को 293 सीटें मिली हैं। इन चुनावों में बीजेपी बहुमत के आंकड़े को नहीं छू पाई है। नरेंद्र मोदी ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सरकार बनाई है। उधर, इंडिया गठबंधन को 234 सीटें मिली हैं।

आज से उत्तर-पश्चिमी भारत में लू व हल्की बारिश की संभावना

देश के उत्तरी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है. दिल्ली से लेकर राजस्थान, हरियाणा,

नई दिल्ली। (एजेंसी)

यूपी, बिहार और झारखंड में लोग मॉनसून का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आज से उत्तर-पश्चिमी भारत में अगले कुछ दिनों तक लू चलने की संभावना है। साथ ही सिक्किम और पश्चिम बंगाल में अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, केरल और कर्नाटक में ऐसे ही मौसम के बने रहने की संभावन है। अगले 3 दिनों में नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश की संभावना है। आईएमडी ने 17 जून तक असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। दिल्ली में कुछ दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है। यहां तापमान 45 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। प्रचंड गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। हालांकि मौसम विभाग ने आज के लिए थोड़ी राहत की खबर दी है। मौसम विभाग ने आज के लिए दिल्ली और आसपास के इलाकों के लिए हल्की बारिश का अनुमान जताया है। स्काइमेट वेदर के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान, कोंकण और गोवा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक तेलंगाना, दक्षिणी छत्तीसगढ़ और दक्षिणी ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश संभव है। आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत, दक्षिण-पश्चिमी मध्य प्रदेश, दक्षिणी गुजरात और जम्मू कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। दक्षिण मध्य प्रदेश, आंतरिक ओडिशा, पंजाब के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रह सकती है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में लू की स्थिति बनी रह सकती है।

योगी का सख्त संदेश.....बकरीद की नमाज सड़कों पर नहीं पड़ी जाए

अराजक तत्वों पर नजर रखे पुलिस

लखनऊ । (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आगामी पर्व-त्यौहारों को देखकर सुदृढ़ कानून-व्यवस्था व श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि 16 जून को गंगा दशहरा, 17 जून को बकरीद, 18 जून को ज्येष्ठ माह का मंगल का पर्व और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन है। जुलाई महीने में मोहर्रम और कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र कार्यक्रम होने हैं। स्वाभाविक रूप से यह समय कानून-व्यवस्था की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। इसके लिए शासन-प्रशासन को 24 घंटे सक्रिय मोड में रहने की जरूरत है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में 15 से 22 जून तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाना चाहिए। गंगा दशहरा के दृष्टिगत गंगा नदी के घाटों की साफ-सफाई और साज-सज्जा की जानी चाहिए। स्नान कहां करना है, यह सुनिश्चित हो। सतर्कता के दृष्टिगत गोताखोरों, पीएसी के फ्लड यूनिट और एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की तैनाती भी की जाए। उन्होंने कहा कि इस समय भीषण गर्मी का समय है, साथ ही त्यौहारों का आयोजन भी होना है। इसके बाद गांव, नगर, महानगर, कहीं भी रोस्टरिंग के नाम पर अनावश्यक पॉवर कट न हो। आम जन की जरूरतों का ध्यान रखें। पूर्व के अनुभव बताते हैं कि जहां स्थानीय प्रशासन ने संवादहीनता बनाए रखी, वहां अप्रिय घटना की स्थिति बनी। हमें इनसे सीख लेते हुए सतर्क रहना होगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बकरीद पर कुर्बानी के लिए स्थान पहले से ही तय होना चाहिए। इसके अतिरिक्त कहीं और कुर्बानी न हो। विवादित/संवेदनशील स्थलों पर कुर्बानी नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी न हो। उन्होंने कहा कि नमाज परंपरानुसार एक निर्धारित स्थल पर ही हो। सड़कों पर नमाज नहीं होनी चाहिए। योगी ने कहा कि हर एक पर्व शांति और सौहार्द के बीच संपन्न हों, इसके लिए स्थानीय जरूरतों को देखकर सभी जरूरी प्रयास किए जाएं। यदि कोई भी कानून हाथ में लेने का प्रयास करे तब उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। अराजक तत्वों पर नजर रखें। उन्होंने कहा कि ज्येष्ठ माह के बड़ा मंगल पर भंडारा आयोजन की परंपरा रही है।

आयोजकों को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि प्रसाद खाकर अपशिष्ट सड़क किनारे न फेकें जाएं। डस्टबिन की उपलब्धता हर भंडारा स्थल पर होनी चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री को कुवैत जाने की नहीं दी परमिशन.....कांग्रेस हुई केंद्र से नाराज

कोच्चि । केरल में विपक्षी कांग्रेस ने कुवैत की दुखद घटना से प्रभावित मलयाली लोगों के लिए राहत प्रयासों में समन्वय के लिए स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज को कुवैत जाने की अनुमति देने से इंकार करने से केंद्र सरकार की आलोचना की। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है, कि राज्य की स्वास्थ्य मंत्री को कुवैत जाने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा, राज्य सरकार का एक प्रतिनिधि राहत प्रयासों के बेहतर समन्वय में मदद करता। राज्य का प्रतिनिधि भी केंद्र को राहत प्रयासों में मदद करने में सक्षम होता। केंद्र को राज्य की स्वास्थ्य मंत्री को तुरंत मंजूरी दे देनी चाहिए थी। केंद्र की ओर से यह गलत संदेश था। दरअसल केरल सरकार में स्वास्थ्य मंत्री जॉर्ज ने केंद्र से कुवैत जाकर त्रासदी से प्रभावित अपने लोगों के साथ खड़े होने और वहां गतिविधियों में समन्वय करने की अनुमति मांगी थी जो नहीं दी गई। राज्य सरकार ने घायलों के इलाज और जान गंवाने वालों के पार्थिव शरीर वापस लाने सहित राहत कार्यों में मदद के लिए वीणा जॉर्ज को कुवैत भेजने का फैसला किया था। बताया जाता है कि वीणा विदेश मंत्रालय से अनुमति मिलने की उम्मीद में हवाई अड्डे पर घंटों इंतजार करती रहीं। अधिकारियों ने बताया कि मंगाफ क्षेत्र में इमारत के रसोईघर में भीषण आग लगने से 49 विदेशी मजदूरों की मौत हुई थी और 50 अन्य घायल हुए थे। इनमें से 42 भारतीय थे और शेष पाकिस्तान, फिलिपीन, मिस्र और नेपाल के नागरिक थे।

कुवैत अग्निकांडः एनबीटीसी ग्रुप मृतक परिवारों को आठ लाख रुपए और नौकरी देगा

हादसे में 28 मलयाली समेत 45 भारतीयों की मौत हो गई थी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कुवैत की एक इमारत में भीषण आग में जान गंवाने वाले 28 मलयाली समेत 45 भारतीयों की मौत ने देशवासियों का दिल हिला दिया है। इस बिल्डिंग के मालिक एनबीटीसी ग्रुप ने मृतक के परिवार को आठ लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। साथ ही कंपनी ने कहा कि वह मृतकों के आश्रितों को रोजगार और अन्य भत्ते भी देगी। इससे पहले पीएम मोदी ने मृतक भारतीयों के परिवारों के लिए पीएम राहत कोष से दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि का ऐलान किया था। इसके बाद एनआरआई कारोबारी और संयुक्त अरब अमीरात के लुलु समूह प्रमुख एमए युसूफ अली ने मृतकों के परिवारों को पांच-पांच लाख देने का ऐलान किया। वहीं केरल सरकार ने मृतकों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपए और घायलों को एक-एक लाख रुपए देगी। नॉन रेजिडेंट केरलवासी मामले विभाग के सीईओ अजित कोलास्सेरी ने कहा कि मलयाली लोगों के शवों को उनके परिवारों को सौंपने प्रक्रियाएं जल्द पूरी की जाएंगी। एनबीटीसी का

यह ऐलान कुवैत के शासक के तुरंत सहायता प्रदान करने के लिए आदेश जारी करने के बाद आया है। कुवैत के गृह मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ अल-सबा ने मीडिया को बताया कि अग्निकांड में मारे गए 24 मलयाली लोगों में से 22 की पहचान कर ली गई है। भारतीय वायुसेना का विमान मृतक भारतीयों का शव लेने के लिए कुवैत गया था जोकि आज भारत पहुंच गया है। विमान के आने के बाद मृतकों के शव उनकी राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों को सौंप दिए जाएंगे। कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुलिस बल और एम्बुलेंस तैनात किए गए हैं।

दिल्ली जलसंकटः तिहाड़ से केजरीवाल का विधायकों को आदेश.....जनता के बीच पहुंचें

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने तिहाड़ जेल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। केजरीवाल से मुलाकात के बाद आतिशी ने कहा कि दिल्ली में बिजली और पानी की आपूर्ति की स्थिति की जांच करने की मांग की। आतिशी ने कहा, केजरीवाल ने आप के विधायकों को निर्देश दिया है, कि अगर वे पानी की कमी का सामना कर रहे हैं, तब वे लोगों के बीच जाएं और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए काम करें। आतिशी ने कहा, मुख्यमंत्री को समाचार माध्यमों से पता चला कि दिल्ली में पानी की समस्या है और लोग परेशान हैं। उन्होंने मुझे निर्देश दिया है कि दिल्ली में पानी की कमी को दूर करने के लिए जो भी कदम उठाने की जरूरत है, वह जल्द से जल्द उठाया जाए। जल मंत्री और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने केजरीवाल से आधे घंटे तक मुलाकात की। बाद में, दिल्ली सचिवालय में आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने चोरी को कम करने और कुशल जल वितरण सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर सुप्रीम कोर्ट को सभी विवरण प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि बिना लाइन वाली दिल्ली सब-ब्रांच (डीएसबी) नहर से पानी की हानि 30 प्रतिशत थी, लेकिन दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने पानी की बर्बादी को कम करने के लिए कैरियर लाइन्ड नहर (मुनक) विकसित करने पर 500 करोड़ खर्च किए।

संक्षिप्त समाचार

10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के दौरान छात्राओं को मुफ्त सेनेटरी पैड

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का फैसला

नई दिल्ली । 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के दौरान जो छात्राएं मासिक धर्म से गुजरती हैं, उनके स्वास्थ्य, गरिमा और शैक्षणिक सफलता को सुनिश्चित किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 10वीं और 12वीं कक्षा के बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर मुफ्त सेनेटरी पैड और रेस्टरूम की व्यवस्था होगी। इतना ही नहीं शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच मासिक धर्म स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाएगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इस संदर्भ में राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों के सभी स्कूलों, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), केंद्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति को परामर्श जारी किया है। इसका उद्देश्य यह है कि 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के दौरान महिला छात्रों के स्वास्थ्य, गरिमा और शैक्षणिक सफलता को सुनिश्चित किया जा सके। परीक्षाओं के दौरान लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझते हुए परामर्श जारी किया गया है। केंद्र सरकार का मानना यह है कि छात्राओं के शैक्षणिक प्रदर्शन के रास्ते में कोई आड़े नहीं आना चाहिए। इसकारण विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के दौरान छात्राओं का समर्थन करने के लिए स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को प्राथमिकता दे रहा है। इसके तहत सभी 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर मुफ्त सेनेटरी पैड आसानी से उपलब्ध कराए जाए। इसका उद्देश्य सुनिश्चित करना है कि आवश्यकता पड़ने पर लड़कियों की परीक्षा के दौरान आवश्यक स्वच्छता उत्पादों तक पहुंच हो सके।

अब..... पत्नी के लिए केजरीवाल ने दायर की याचिका

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट में दो आवेदन देकर अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के हक में कुछ अनुमति मांगी है। गौरतलब है कि शुक्रवार को केजरीवाल की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई चल रही थी, तभी केजरीवाल ने अपनी ओर से दो आवेदन दाखिल किए। इन आवेदनों पर ईडी ने जवाब देने के लिए कुछ समय भी मांगा लेकिन अदालत ने यह कहकर इंकार कर दिया कि केजरीवाल न्यायिक हिरासत में है, एजेंसी की हिरासत में नहीं है। इन आवेदनों पर एजेंसी को जवाब देने की जरूरत नहीं है। सुनीता को अनुमति मिले कि वह केजरीवाल के स्वास्थ्य जांच के समय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौजूद रहें। मेडिकल बोर्ड जब भी बैठे हमें अपने इनपुट देने की अनुमति दी जाए। वहीं मुख्यमंत्री केजरीवाल की ओर से दायर नियमित जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 19 जून को होगी।

वीएमसी की जमीन पर गैरकानूनी कब्जा करने पर टीएमसी सांसद यूसुफ पठान को नोटिस

वडोदरा । पश्चिम बंगाल के बहेरामपुर के नवनिर्वाचित सांसद और क्रिकेट यूसुफ पठान को वडोदरा महानगर पालिका (वीएमसी) ने नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर सरकारी जमीन पर किया गया अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया है. 15 दिनों के भीतर अगर अतिक्रमण नहीं हटाया जाता तो वीएमसी कार्यवाही कर अपना भूखंड मुक्त कराएगी. दरअसल वडोदरा के तांदलजा क्षेत्र के शुभम पार्टी प्लाट के निकट वीएमसी के भूखंड पर यूसुफ पठान ने कंपाउंड वॉल बनाकर कर गैरकानूनी कब्जा कर रखा है. यूसुफ पठान ने वीएमसी के इस भूखंड खरीदने के लिए महानगर पालिका में आवेदन किया था. इस संदर्भ की दरखास्त महानगर पालिका की स्थायी समिति में मार्च 2012 में पेश की थी. स्थायी समिति ने यूसुफ पठान के आवेदन को मंजूरी देते हुए उसे राज्य सरकार को भेज दी थी. हांलाकि राज्य सरकार ने वीएमसी की ओर से भेजी गई यूसुफ पठान को भूखंड देने की मंजूरी को खारिज कर दिया था. दूसरी ओर किसी प्रकार की मंजूरी लिए बगैर यूसुफ पठान ने वीएमसी के भूखंड पर कंपाउन्ट वॉल बना कर उस पर कब्जा कर लिया. भाजपा के पूर्व नगर पार्षद विजय पवार द्वारा इस मामले को उजागर करने के बाद महानगर पालिका प्रशासन हरकत में आ गया है और 15 दिनों के अपने खर्च पर भीतर भूखंड अतिक्रमण हटाने का यूसुफ पठान को नोटिस जारी किया. 15 दिनों के भीतर यूसुफ पठान अगर भूखंड खाली नहीं करते तो वीएमसी कार्यवाही कर अतिक्रमण हटा देगी.

संघ के बयान पर संजय राउत का मोदी पर तंज.....सेवक अहंकारी नहीं हो सकते

मुंबई । शिवसेना (उद्धव ठाकरे) नेता संजय राउत ने भाजपा पर निशाना साधकर कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में अहंकार की राजनीति रही है और जनता के सेवक अहंकारी नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि जनता ने अहंकार की राजनीति को खत्म कर दिया है। राउत ने आरएसएस के पूर्व प्रमुख नेताओं की प्रशंसा कर कहा कि उन्होंने अतीत में लोकतंत्र को बचाने में योगदान दिया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि आरएसएस अहंकारी भाजपा को सत्ता से हटा देगा। इंद्रेश को आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत के बाद दूसरे नंबर का नेता माना जाता है। वह जयपुर के पास आयोजित राम रथ अयोध्या यात्रा दर्शन पूजन समारोह में बोल रहे थे। बिना किसी या किसी पार्टी का नाम लिए इंद्रेश कुमार ने कहा कि चुनाव नतीजे कुछ लोगों के रुख को दर्शाते हैं।

पीएम मोदी के ये तीन रत्न 2029 में रच देंगे इतिहास

नई दिल्ली । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताजपोशी के साथ ही भारतीय राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो चुकी है। अगर प्रधानमंत्री मोदी अपना तीसरा कार्यकाल पूरा कर लेते हैं, तब रायसीना हिल्स पर एक नई इबारत लिखी जाएगी। 2029 में दिल्ली ना सिर्फ सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री का गवाह बनेगी, बल्कि सीसीएस (सीसीएस) के मंत्रियों का भी साक्षी बनेगी, जिन्होंने अनवरत 10 साल तक एक ही मंत्रालय का पद भार संभाला है।

बात दें कि विदेश मंत्रालय को छोड़ कर (जवाहरलाल नेहरू के पास 1952-64, 12 साल तक विदेश मंत्रालय था) सीसीएस (सीसीएस) के तीन मंत्री, नया कीर्तिमान स्थापित कर सकते हैं।

अमित शाह

साल 1951-52 में जब देश का पहला आम चुनाव हुआ था, तब नेहरू कैबिनेट में कैलाश नाथ काटजू को गृहमंत्री बनाया गया था, लेकिन वे इस पद पर केवल चार साल रहे और साल 1955 में उनकी जगह गोविंद बल्लभ पंत को गृहमंत्री बनाया गया था। वे साल 1961 तक इस पद पर रहे, 7 मार्च 1961 को पद पर रहते ही उनका निधन हो गया था। उसके बाद साल 1998 तक सबसे लंबे समय तक गृहमंत्री रहने का रिकॉर्ड स्व.श्री पंत के नाम ही था, फिर इसमें भाजपा के भीष्मपितामह लाल कृष्ण आडवाणी का नाम शुमार हुआ और वे 1998 से 2004 तक वाजपेयी सरकार में गृहमंत्री के पद पर आसीन रहे। अब ये दोनों रिकॉर्ड गृहमंत्री शाह तोड़ सकते हैं, उन्हें मोदी 3.ह लगातार दूसरी बार गृहमंत्री बनाया गया है। अगर शाह अपना कार्यकाल पूरा कर लते हैं, तब वे देश के सबसे लंबे समय तक रहने वाले गृहमंत्री बन जाएंगे।

राजनाथ सिंह

2014 में जब पहली बार केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी थी, तब राजनाथ सिंह को गृहमंत्री बनाया गया था, लेकिन 2019 में उनका मंत्रालय बदल कर उन्हें रक्षा मंत्री बनाया गया। साल 2024 की नई सरकार में भी राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्रालय का ही पद भार दिया गया है। भारतीय राजनीति के 70 साल से अधिक की यात्रा में राजनाथ सिंह दूसरे नेता हैं, जिन्होंने अनवरत दूसरी बार रक्षा मंत्री का पद भार संभाला है। राजनाथ से पहले कांग्रेस नेता एके एंटनी 2006 से 2014 तक निरंतर 8 साल इस पद पर रहे थे। इसके बाद बतौर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अगर 2029 तक पद पर रह जाते हैं, तब वे दो दशक तक रहने वाले इकलौते रक्षामंत्री बन जाएंगे।

निर्मला सीतारमण

मोदी सरकार में (2017) में निर्मला सीतारमण को रक्षा मंत्री बनाया गया था। इसके बाद साल 2019 में उन्हें वित्त मंत्री का पदभार दिया गया। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में उन्हें वित्त मंत्रालय ही मिला है। वे लगातार दो बार वित्त मंत्री बनने वाली पहली नेता बन गई हैं।

देश के पहले वित्तमंत्री सी.डी. देशमुख ने साल 1956 में वित्तमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि वे इस पद पर 1950 से ही थे, लेकिन निर्वाचित सरकार में देशमुख चार साल ही मंत्री रहे थे। इसके चार दशक बाद देश को मनमोहन सिंह (1991-96) के रूप में एक ऐसा वित्त मंत्री मिला जिसने अपना कार्यकाल पूरा किया था। इसके बाद अरुण जेटली (2014-19) दूसरे नेता बने जिन्होंने वित्तमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा किया। 2019 से वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी निर्मला सीतारमण के पास है, वे अगर अपना दूसरा कार्यकाल पूरा कर लेती हैं तो ये एक अभूतपूर्व उपलब्धि होगी।

बैंक फ्रॉड के मामले में मुंबई हाईकोर्ट ने ग्राहक के पक्ष में सुनाया फैसला

मुंबई ।

देश में साइबर क्राइम और बैंक फॉड के मामले बढ़े हैं। लाखों लोग इस धोखाधड़ी के शिकार हो जाते हैं। इस मामले में मुंबई हाईकोर्ट ने बैंक ग्राहकों के पक्ष में एक बड़ा फैसला सुनाया है। उच्च न्यायालय ने व्यवस्था देकर कहा है कि जब भी कोई अनाधिकृत लेनदेन, किसी थर्ड पार्टी ब्रीच के कारण होता है, तब इसमें बैंक या ग्राहक की नहीं, बल्कि तंत्र में कहीं कमी होती है, इसलिए इसतरह के मामले में ग्राहक की कोई जिम्मेदारी नहीं होती। न्यायालय ने बैंक ऑफ बड़ौदा को एक कंपनी के बैंक खाते से धोखाधड़ी से निकाले गए 76 लाख रुपये वापस करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की खंडपीठ जयप्रकाश कुलकर्णी और फार्मा सर्च आयुर्वेद प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें बैंकिंग लोकपाल द्वारा पारित आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बैंक ऑफ बड़ौदा को साइबर धोखाधड़ी के माध्यम से कथित रूप से उनके खाते से निकाले गए 76 लाख रुपये की राशि वापस करने का निर्देश देने से इंकार किया था। उच्च न्यायालय की पीठ ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी जुलाई, 2017 के एक परिपत्र का हवाला देकर कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा के पास उपभोक्ता संरक्षण नीति (अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन) नामक एक नीति है जो इसी बात को दोहराती है। खंडपीठ ने कहा, आरबीआई के परिपत्र और बैंक की नीति के अनुसार, जब अनधिकृत लेनदेन किसी तीसरे पक्ष के उल्लंघन के कारण होता है,तब ग्राहक की कोई जिम्मेदारी नहीं होती है। इसमें कमी न तो बैंक की होती है और न ही ग्राहक की, बल्कि तंत्र में कहीं और होती है और ग्राहक एक निश्चित समयसीमा के भीतर अनधिकृत लेनदेन के बारे में बैंक को सूचित करता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गृह राज्य मंत्री के कंट्रोल रूम दौरे के बाद सिग्नल टाइमिंग बदलने का फैसला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

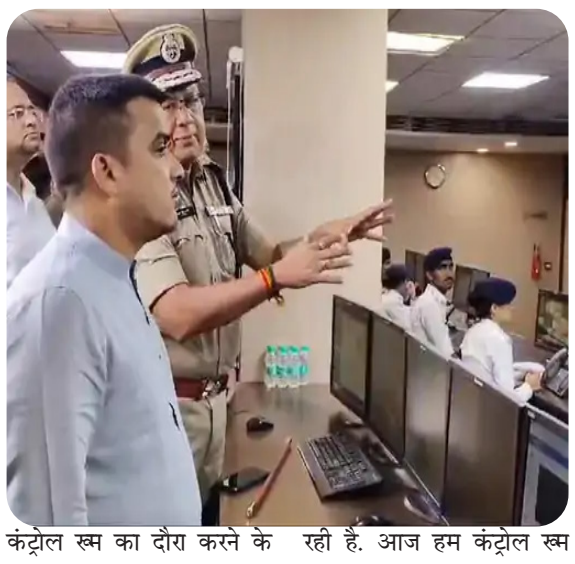

सूरत, सूरत शहर के अंदर पिछले कुछ दिनों से ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए हैं, जिससे लोगों को काफी असुविधा हो रही है. शहर भर के ट्रैफिक सिग्नलों पर जाम की स्थिति बनी हुई है. जो सड़क १५ से २० मिनट में कटती थी, अब ३० मिनट से ज्यादा समय लग रहा है, ऐसे में ट्रैफिक विभाग और निगम टीम की कार्यप्रणाली पर कई सवाल उठ रहे है. गृह राज्य मंत्री ने सूरत के कंट्रोल रूम का दौरा किया. और उन्होंने कहा कि सर्वे के बाद सिग्नल का समय बदल दिया जायेगा. साथ ही गृह मंत्री ने कहा कि १०० से ज्यादा बार नियम का उल्लंघन करने वालों का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा.

कंट्रोल रूम का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से सूरत वासी सिग्नल के कारण परेशान हो रहे है. इसमें बहुत अधिक समय लग रहा है, ईंधन भी बर्बाद हो रहा है, सूरत वासी को होने वाली असुविधा हम स्वीकारते है. क्योंकि अभी जो सिग्नल शुरू हुए हैं उनमें कुछ बदलाव की जरूरत नजर आ रही है. आज हम कंट्रोल रूम में जाकर पुलिस विभाग और निगम अधिकारियों के साथ कुछ अहम फैसले ले रहे है.

वराछा जैसे क्षेत्रों से ट्रैफिक सिग्नल को लेकर कई शिकायतें मिली. वेसु क्षेत्र टेक्सटाइल्स और अन्य क्षेत्रों में भी ट्रैफिक सिग्नल के कारण वाहन चालकों को असुविधा हो रही थी. अब हुए सर्वे के मुताबिक जिन इलाकों में ट्रैफिक सिग्नल से ज्यादा दिक्कत है, वहां समय निर्धारित किया जा रहा है. यदि संभव हो तो मैन्युअल रूप से परिवर्तन करने की व्यवस्था वर्तमान में की जा रही है. वराछा, वेसू, अडाजण रिंग रोड के अलग-अलग इलाके जहां सबसे ज्यादा ट्रैफिक देखने को मिलता है. उन सिग्नलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. गृह राज्य मंत्री ने कहा कि सिग्नल लगने के बाद सबसे अच्छी बात यह देखने को मिली है कि दुर्घटनाओं की संख्या में काफी कमी आई है. जितने दिनों से सिग्नल लगाया गया है उस समय और पिछले वर्ष के समान समय की तुलना में, जैसा कि अब देखा गया है, लगभग ११ घातक दुर्घटनाएँ रोकी गई है. लगभग २० अन्य गंभीर दुर्घटनाएँ कम हो गई है. सूरत शहर में कुछ ड्राइवर ऐसे भी हैं जिन्होंने मानों यह तय कर लिया है कि हमें ट्रैफिक नियमों की कोई परवाह नहीं है. बार-बार अलग-अलग ट्रैफिक नियम तोड़ने के फैसले के बाद अब तक इस वाहन से चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए है. शहर में १,४५,३२३ ड्राइवर ऐसे हैं जिन्होंने ५ से १० बार नियमों का उल्लंघन किया है, ४६,१८९ ड्राइवर ऐसे हैं जिन्होंने १५ से २० बार नियमों का उल्लंघन किया है और १८२५७ ड्राइवर ऐसे है जिन्होंने २० से ५० बार नियमों का उल्लंघन किया है. ४९३१ ड्राइवर ऐसे हैं जिन्होंने ५१ से १०० बार नियम का उल्लंघन किया है. १७०० लोग ऐसे हैं जिन्होंने १०१ बार नियम तोड़ा. सबसे अधिक बार यातायात उल्लंघन करने वालों को जनता के लिए खतरा माना जाता है, इसलिए इन सभी ४,९३१ लोगों और १७०० लोगों के लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे.

फोस्टा और श्रम विभाग द्वारा कपड़ा बाजार में बाल मजदूरी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, फेडरेशन ऑफ टेक्सटाइल मार्केट एसोसिएशन (फोस्टा) और श्रम विभाग द्वारा शुक्रवार शाम ४ बजे फोस्टा बोर्डरूम में कपड़ा बाजारों में बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया. फोस्टा अध्यक्ष कैलास हाकिम ने जानकारी देते हुए कहा कि फोस्टा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में श्रम विभाग के एम.सी. कारीया, डिप्टी लेबर कमिश्नर, साउथ ईस्ट ज़ोन, एस.एस. दुबे, असिस्टेंट लेबर कमिश्नर, एच.एस. गामित, असिस्टेंट लेबर कमिश्नर, श्रीमती बिनल पटेल, यूनिसेफ कंसलटेंट, एस.एस. शाह, लेबर ऑफिसर और आर.एस. गामित, लेबर ऑफिसर उपस्थित रहे. फोस्टा पदाधिकारियों ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया. अधिकारियों ने व्यापारियों को चाइल्ड लेबर एक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी और बताया कि बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए. उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी के प्रतिष्ठान पर बाल मजदूर पाए जाते हैं तो उन पर आर्थिक और न्यायिक दंड के प्रावधान हैं. फोस्टा ने उपस्थित अधिकारी, मार्केट अध्यक्ष/सचिव, मार्केट मैनेजर और उपस्थित व्यापारियों का आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम में फोस्टा के पदाधिकारी, विभिन्न बाजारों के अग्रणी और व्यापारी बंधु, और मार्केट मैनेजर उपस्थित रहे.

स्कूलों में प्रवेश के लिए अभिभावक निजी स्कूलों से निराश होकर सरकारी स्कूलों का रुख कर रहे हैं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत नगर निगम द्वारा संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति द्वारा ३५८ स्कूल और २३ माध्यमिक विद्यालय प्रबंधित किए जाते है. इस विद्यालय द्वारा गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई एवं आधुनिक बुनियादी सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है. शिक्षा के स्तर में सुधार के साथ-साथ नगर पालिका ने स्मार्ट स्कूलों का निर्माण भी शुरू कर दिया है, इसलिए हर साल की तरह इस साल भी नगर पालिका द्वारा संचालित स्कूल में प्रवेश लेने की भीड खड़ी है. गरीब और मध्यम वर्ग के अभिभावक अपने बच्चों को नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के स्कूलों में भेजने पर जोर दे रहे है.

सूरत नगर पालिका प्राथमिक शिक्षा समिति के ७ स्कूल हैं, जिनमें प्रवेश हाउसफुल हो गए हैं और वर्तमान में २६८९ छात्रों की प्रतीक्षा सूची बनाई गई है. जिसमें बालवाटिका में ६५२, कक्षा-१ में ७७६, कक्षा-२ में ४२, कक्षा-३ में २४४, कक्षा-४ में ३६४, कक्षा-५ में १८२, कक्षा-६ में १०८, कक्षा-७ में १०५ एवं कक्षा-८ में २२ विद्यार्थी प्रवेश की प्रतीक्षा में शामिल है. प्रवेश प्रक्रिया के दौरान पिछले पांच वर्षों से अभिभावकों में नगर निगम स्कूल में प्रवेश लेने की होड़ मची है. सरकारी स्कूल अब माता-पिता के लिए अपने बच्चों को पढ़ाने का सबसे अच्छा विकल्प हैं क्योंकि निजी स्कूलों की फीस में भारी वृद्धि की गई है.

नगर पालिका संचालित स्मार्ट स्कूल में करीब चार हजार विद्यार्थी प्रवेश का इंतजार कर रहे है. यहां भी छात्रों की संख्या हाउसफुल हो जाने से कक्षा-९ में २९७७ और कक्षा-११ में १०११ छात्र प्रतीक्षा सूची में है. सूरत नगर निगम उस क्षेत्र में प्रतीक्षा को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध कक्षाओं की क्षमता के अनुसार अधिकतम छात्रों को प्रवेश देने की प्रक्रिया आयोजित करेगा. बोर्ड के नतीजों में सूरत निगम द्वारा संचालित सुमन स्कूल के नतीजे निजी स्कूलों की तरह आ रहे है. नगर निगम स्कूलों का १०वीं और १२वीं कक्षा का रिजल्ट करीब ९५ फीसदी रहा है. नगर निगम स्कूल के छात्र टॉप टेन में आ रहे है. नगर निगम स्कूलों में शिक्षा के स्तर में सुधार हो रहा है और इस वजह से नगर निगम स्कूलों में कक्षा-९ में प्रवेश के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है.

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, रेपियर जैक्वार्ड एसोसिएशन और सचिन जीआईडीसी रोटरी हॉस्पिटल द्वारा शुक्रवार को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का आयोजन थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को रक्तदान की सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया था. कार्यक्रम में डीसीपी जोन ६ राजेश परमार, एसीपी नीरव गोहिल, सचिन जीआईडीसी पीआई भाविशा परमार, गोकुलानंद यार्न के दीपक गोंडलिया, सचिन जीआईडीसी के उद्योगपतियों सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे. इस कार्यक्रम में लक्ष्मीविला, डायमंड इंडस्ट्रियल पार्क और होजीवाला इंडस्ट्री, उभेल इंडस्ट्रियल एरिया सहित सूरत में रैपियर इकाइयां चलाने वाले बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. रक्तदान शिविर में ३०० से अधिक लोगों ने रक्तदान किया.

रेपियर जैक्वार्ड एसोसिएशन और सचिन जीआईडीसी रोटरी हॉस्पिटल के सहयोग से

आठवीं पास किसान वालजीभाई चौधरी ने रासायनिक खेती छोड़ जंगल मॉडल आधारित प्राकृतिक खेती का मार्ग अपनाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

रासायनिक कीटनाशकों तथा यूरिया उर्वरक की खर्चीली खेती को तिलांजलि देकर किसान अब बड़ी संख्या में प्राकृतिक खेती की ओर मुड़ रहे हैं, तब सूरत जिले में मांडवी तहसील के बलेठी गाँव के किसान वालजीभाई रायाभाई चौधरी ने प्राकृतिक खेती में भी एक कदम आगे बढ़ कर जंगल मॉडल आधारित प्राकृतिक खेती शुरू कर सफलता पाई है. जुताई और उर्वरक रहित यह प्राकृतिक खेती करने वाले वालजीभाई ने पहली बार दो एकड़ भूमि में प्रयोग कर अपेक्षित परिणाम प्राप्त किया है. इसके बाद वे लगातार सात वर्षों से जंगल मॉडल आधारित खेती कर अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक बने हैं. इस पद्धति से वे मामूली खर्च में एक ही भूमि में २० से अधिक प्रकार की फसलों का उत्पादन प्राप्त कर १२ लाख रुपए सालाना आय अर्जित कर रहे हैं.

पिछले सात वर्षों से जंगल मॉडल आधारित प्राकृतिक खेती कर अच्छी फसल, अधिक त्पादन तथा आय प्राप्त होने पर हर्ष के साथ किसान वालजीभाई चौधरी ने कहा, ''बचपन से ही मुझे खेती के प्रति लगाव रहा है, जिसमें सब्जियों के खेती में मैं अधिक रुचि लेता और सब्जियों की देखभाल खुद ही करता. कक्षा ८ तक की पढ़ाई कर सिलाई क्लास में सिलाई सीख कर मैं दरजी के काम के साथ जुड़े, जिसके कारण खेती से दूर हो गया, परंतु वर्ष १९८२ में मैंने दरजी काम छोड़ कर परंपरागत खेती करने का निश्चय किया और पुनः खेती की ओर रुख किया। इसके बाद मैंने वर्ष २०१७ में खेती से जुड़े विभिन्न शिविरों से प्राकृतिक खेती का मार्गदर्शन प्राप्त किया. मुझे आत्मा प्रोजेक्ट के शिविर के जरिये प्राकृतिक खेती की प्रेरणा मिली थी. इसके बाद मैंने वर्ष २०१८ में एक गाय खरीद कर प्राकृतिक खेती की शुरुआत की.''

किसान वालजीभाई चौधरी आगे कहते हैं कि पहले रासायनिक खेती में आय नहीं होने पर वे जंगल मॉडल आधारित प्राकृतिक खेती की ओर मुड़े, जिसमें किसी प्रकार की जुताई किए बिना खेती की शुरुआत की. इस खेती में सभी फसलें एक साथ बोनी होती हैं. इसलिए उन्होंने खेत में एक साथ २० से २५ फसलों की बुवाई की. इनमें अनाज, दलहन, सब्जियाँ, फल की फसलें शामिल हैं. फल की खेती में अनार, चीकू, अमरूद, सीताफल के साथ सब्जियों की बुवाई की गई है. ज्वार, बाजरा, मक्का जैसे अनाज की भी वे बुवाई कर रहे हैं. साथ ही फली, मूंग, उड़ जैसी दलहन फसलें भी हैं. सामूहिक फसल के कारण उत्पादन खर्च कम और प्राकृतिक खेती पद्धति अपनाने से उत्पादन भी अधिक मिल रहा है.

वालजीभाई कहते हैं, ''प्राकृतिक खेती में थोड़ी मेहनत चाहिए। अन्यथा उत्पादन खर्च तो नहीं के बराबर होता है. इस खेती के कारण अधिकतम् व दुगुना उत्पादन मिलता है, दुगुनी आय होती है. इससे पर्यावरण तथा मानवीय स्वास्थ्य को भी रक्षण मिलता है और पानी की बचत होती है. इसके अलावा, जमीन की नमी संग्रह क्षमता भी बढ़ती है, जिससे जमीन बंजर नहीं होती है. हर वर्ष अच्छा फसल उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है.''

राज्य सरकार द्वारा मिली आर्थिक सहायता का विशेष उल्लेख करते हुए वे कहते हैं कि राज्य सरकार की विभिन्न किसान कल्याण योजनाओं के जरिये उनके जैसे सुदूरवर्ती किसान आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने हैं. जंगल मॉडल आधारित खेती का मॉडल फॉर्म बनाने के लिए सरकार द्वारा १३,५०० रुपए की सहायता प्राप्त हुई है. इसके आलावा, खेत में फसल को पर्याप्त पानी मिल सके; इसके लिए उन्होंने ५ लाख रुपए की लागत से सरकारी योजना के तहत बोरिंग कर पक्का आरसीसी स्ट्रक्चर वाला कुआँ बनाया है. १.८० लाख रुपए के मिनी ट्रैक्टर की खरीद पर सरकार द्वारा उन्हें ६० हजार रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई है.

गाय आधारित खेती में उत्पादन अधिक प्राप्त हुआ, भूमि की गुणवत्ता सुधरी उन्होंने राज्य सरकार प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए देसी गाय निर्वहन खर्च के लिए प्रतिमाह ९०० रुपए की सहायता देती है. वे भी इस योजना का लाभ ले रहे हैं. इसके अलावा, आत्मा के अधिकारी भी समय-समय पर किसानों को प्राकृतिक खेती का उम्दा मार्गदर्शन देते हैं, जो सराहनीय है. वे स्वयं गोमूत्र तथा उपले से जीवामृत एवं धनजीवामृत बना कर खेती में उसका उपयोग करते हैं, जिसके कारण भूमि की गुणवत्ता भी सुधरी है.

जंगल मॉडल प्राकृतिक खेती में जुताई का खर्च नहीं लगता है वालजीभाई ने कहा कि जंगल मॉडल पद्धति में जुताई बिलकुल नहीं करती होती है. इससे खेत में बैल, ट्रैक्टर या आदमी रखने का कोई भी खर्च नहीं होता है. कीटनाशक छिड़काव की भी जरूरत नहीं पड़ती है. एक ही खेत में सारी फसलें मिक्स यानी इकट्ठा बोनी होती हैं. उन्होंने कहा कि उनके दो एकड़ के खेत में जंगल मॉडल आधारित प्राकृतिक खेती में एक साथ २० से २५ फसलें हैं. इनमें अनाज, दलहन, सब्जियाँ और फल सहित सभी फसलें होती हैं. फल की फसलों में अनार, चीकू, अमरूद, सीताफल, अंजीर, आँवला, संतरा, केला और पपीते जैसी कुल १० से १२ फसलें भी शामिल हैं.

लोग खेत में मार्गदर्शन लेने आते हैं सब्जी की बुवाई में इस क्षेत्र की सीजनेबल सब्जियाँ बैंगन, टमाटर, बंडागोभी, फूलगोभी, पालक, खजूर (छुआरा), गिलका, लौकी, पुदीना तथा करेला आदि शामिल है. इसी प्रकार ज्वार, बाजरा तथा मक्का जैसे अनाज और दलहन में फली, ग्वार, मूंग एवं उड़द जैसी फसलें हैं.